जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

प्रगति पथ पर गतिमान राजस्थान

शहरी विकास को नई रफ्तार - आधुनिक राजस्थान की नई पहचान

मजबूत सड़कें • सुगम यातायात • बेहतर ड्रेनेज • आधुनिक सीवरेज • सुरक्षित सबवे • बेहतर मेडिकल सुविधाएं • श्रमिक कल्याण • स्वच्छ एवं हरित परिवहन

राजस्थान के शहरों को मिल रही ₹2,340 करोड़ की सौगातें

941 कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण

श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के

1 लाख 32 हजार 421 लाभार्थियों को ₹154 करोड़ से अधिक की सहायता राशि की डीबीटी

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण की दिशा में जयपुर को बड़ी सौगात

लोकार्पण

RUHS जयपुर : 128-स्लाइस CT स्कैन मशीन

जनाना चिकित्सालय, चांदपोल : नवीन आईपीडी टावर

SMS अस्पताल :
आयुष्मान टावर अंतर्गत कार्डियोवैस्कुलर साइंसेज संस्थान

RUHS जयपुर :
1.5 टेस्ला MRI मशीन तथा नवीन स्नातक छात्रावास

जयपुर जिले में झोटवाड़ा के अभयपुरा के उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं दूदू विधानसभा क्षेत्र के उप स्वा. केन्द्र, रेहलाना का निर्माण कार्य

शिलान्यास जयपुर जिले के झोटवाड़ा में सैटेलाइट चिकित्सालय

पीएम ई-बस योजना

71 ई-बसों का शुभारंभ

जयपुर एवं भीलवाड़ा की 24 ई-बसों का जयपुर से
तथा अलवर, अजमेर, जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर से 47 ई-बसों का वर्चुअल शुभारंभ

18 अगस्त, 2026 | शाम 4 बजे | एचसीएम रीपा (ओ.टी.एस.) परिसर, जयपुर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 37 संख्याः 369 प्रभात अजमेर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

वंदे मातरम् का गायन राष्ट्रीय स्तर पर राजनैतिक मुद्दा बनता जा रहा है

भाजपा इस बात को बड़े ध्यान से देख रही है कि कानून पास होने के बाद किसी भी स्तर पर वंदे मातरम् की अवहेलना तो नहीं हो रही है

- कांग्रेस ने भी मान लिया है, जैसा राहुल गांधी ने भी कहा है, कि कानून बनने के बाद वंदे मातरम् को पूरा गाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है, फिर भी थोड़ी बेचैनी सी है।
- सवाल यह है कि क्या वंदे मातरम् चुनावी मुद्दा बन सकता है, क्योंकि कांग्रेस मुसलमानों की सहानुभूति पाना चाहती है, वहीं भाजपा इस मुद्दे पर हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण करना चाहती है और वंदे मातरम् के संदर्भ में विपक्षी दलों की मामूली सी चूक को भी हवा दे रही है।
- इसी संदर्भ में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोनिया गांधी और कांग्रेस पर वंदे मातरम् के गायन में अड़ंगा डालने का आरोप लगाया और माफी मांगने को कहा। यही नहीं, दिल्ली पुलिस से जाँच करने और रिपोर्ट देने को भी कहा है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। क्या अमित शाह हताश हैं या उन्हें पता ही नहीं कि कहां रुक जाना चाहिए?

या फिर वे कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करके अपना खोया हुआ राजनीतिक प्रभाव वापस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं?

कहानी 1897 से शुरू होती है, जब कांग्रेस के एक अधिवेशन में पूरा वंदे मातरम् बिना किसी झिझक या समस्या के गाया गया था।

यह सिलसिला कई वर्षों तक चलता रहा।

1930 के दशक में, जब कांग्रेस ने स्वतंत्रता आंदोलन को और तेज कर दिया था, तब कुछ नेताओं ने वंदे मातरम् के तीसरे अंतरे पर आपत्ति जतानी शुरू की। इस अंतरे में मूर्ति पूजा का वर्णन था, जिसे इस्लाम धर्म में मान्यता नहीं है।

इस विवाद को ध्यान में रखते हुए जवाहरलाल नेहरू ने रवीन्द्रनाथ टैगोर को पत्र लिखा। उन्होंने पूरे विवाद का विवरण देते हुए पूछा कि सभी पक्षों को संतुष्ट रखने और हिंदू-मुस्लिम टकराव को और बढ़ने से रोकने के लिए क्या रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

अक्टूबर 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता शामिल हुए। इनमें महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचारी और कई अन्य नेता मौजूद थे।

रवीन्द्रनाथ टैगोर से भी दोबारा सलाह ली गई। उन्होंने कहा कि जिस तीसरे अंतरे को लेकर विवाद पैदा हो रहा है, उसे हटा दिया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि जब भारत स्वतंत्रता हासिल करने की दिशा में बढ़ रहा है, तब सभी विवादास्पद मुद्दों को अलग रख देना चाहिए।

टैगोर ने बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय से भी बात की। बंकिम चन्द्र ने कहा कि उन्हें किसी भी अंतरे को हटाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।

इस तरह सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद मामला सुलझा लिया गया और विवाद समाप्त हो गया।

लेकिन मोदी सरकार ने फैसला किया कि मुसलमानों को लगातार उकसाते रहना जरूरी है, ताकि हिंदू-मुस्लिम विभाजन पहले से कहीं अधिक गहरा हो सके।

मोदी सरकार ने एक कानून पारित किया, जिसके तहत पूरा वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया गया और इसे न गाने पर सजा का प्रावधान किया गया।

15 अगस्त को कांग्रेस ने अपने नए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधानसभा सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक आज

जयपुर, 17 अगस्त। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के षष्ठम सत्र की शुरुआत से पहले, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को प्रातः 11 बजे विधानसभा में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। 20 अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अध्यक्ष देवनानी की अध्यक्षता में होने वाली यह सातवीं सर्वदलीय बैठक होगी। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली,

- स्पीकर देवनानी की अध्यक्षता में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक है।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष रफीक खान सहित, विभिन्न दलों के विधायकों को आमंत्रित किया गया है। देवनानी ने कहा कि विधानसभा जनहित के मुद्दों पर चर्चा का महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मंच है। सदन की गरिमा बनाए रखना सत्ता पक्ष और विपक्ष सहित, सभी विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। सर्वदलीय बैठक के माध्यम से सभी दलों के बीच संवाद, समन्वय और विश्वास का वातावरण तैयार होता है। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र में जनमहत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा के लिए सकारात्मक वातावरण जरूरी है। सर्वदलीय बैठक के माध्यम से सदन की कार्यवाही को सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और जनहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नितिन नबीन की टीम में राज्य के पाँच नेता, सतीश पूनिया राष्ट्रीय महामंत्री बने

वसुंधरा राजे उपाध्यक्ष, सुनील बंसल महामंत्री, राजेश मंगल सह कोषाध्यक्ष व मन्नालाल रावत एसटी मोर्चा अध्यक्ष नियुक्त

जयपुर, 17 अगस्त। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में राजस्थान को मिला मजबूत प्रतिनिधित्व प्रदेश भाजपा की राजनीति के लिहाज से खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा, उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश मंगल को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। एक ही प्रदेश से कई नेताओं को राष्ट्रीय संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलना भाजपा की संगठनात्मक रणनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया जाना नई टीम में राजस्थान के लिहाज से सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। 2019 से 2023 तक राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे पूनिया

- भाजपा की राष्ट्रीय टीम में राजस्थान भाजपा के प्रभारी राधामोहन लाल अग्रवाल तथा राष्ट्रीय सचिव सांसद अलका गुर्जर को स्थान नहीं मिला।

संगठन में लंबे अनुभव के साथ सक्रिय रहे हैं। जून 2026 में राज्यसभा सांसद बनने के बाद अब राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने से उनका राजनीतिक दायरा प्रदेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है। पूनिया को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद आने वाले समय में चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार और पार्टी के महत्वपूर्ण अभियानों में उनकी भूमिका बढ़ सकती है।

दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकीं वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बरकरार रखना उनके राजनीतिक अनुभव और राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका को लेकर पार्टी के भरोसे का संकेत माना जा रहा है। राजे इससे पहले जेपी नड्डा की राष्ट्रीय टीम में भी उपाध्यक्ष थीं।

उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत को भाजपा एसटी मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भाजपा की राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की दृष्टि से यह नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजस्थान सहित, आदिवासी बहुल राज्यों में पार्टी संगठन को मजबूत करने में रावत की भूमिका अहम हो सकती है।

राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश मंगल को पीयूष गोयल के साथ राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिली है। इन नियुक्तियों के जरिए राजस्थान के संगठनात्मक अनुभव वाले नेताओं को केन्द्रीय संगठन में जगह दी गई है।

नई राष्ट्रीय टीम में राजस्थान भाजपा प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल को स्थान नहीं मिला है। राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना सकीं। इसके बजाय राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या देवेन्द्र फड़नवीस दिल्ली शिफ्ट होंगे?

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फड़नवीस की प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात के बाद एक बार फिर राजनैतिक हलकों में यह सवाल पूछा जा रहा है

- फड़नवीस का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में तीन कार्यकाल का प्रशासनिक अनुभव है, वे युवा हैं और उनकी पृष्ठभूमि संघ से जुड़ी है, यही नहीं, अक्सर प्रधानमंत्री के पद पर मोदी के विकल्प के रूप में उनका नाम लिया जाता है, हालांकि, खुद फड़नवीस इससे इंकार कर चुके हैं।
- चर्चा है कि अगर फड़नवीस केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हुए तो उन्हें संभवतया शिक्षा मंत्री बनाया जा सकता है।
- फड़नवीस ने कहा कि उनकी प्र.मंत्री मोदी से मुलाकात राज्य की योजनाओं के संदर्भ में थी, वे दिल्ली शिफ्ट नहीं हो रहे हैं और महाराष्ट्र में ही बने रहेंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के सोमवार को नई दिल्ली दौरे और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनकी मुलाकात ने एक बार फिर उन्हें केन्द्र सरकार में लिए जाने की संभावना को लेकर राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है।

फडणवीस ने प्रधानमंत्री को राज्य की प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। इनमें राजमार्ग, रेलवे, मेट्रो विस्तार और नदी जोड़ो परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने केन्द्र और राज्य की संयुक्त योजनाओं के लिए केन्द्र से और अधिक सहयोग की भी मांग की।

हालांकि, बाद में उन्होंने दिल्ली आने की अटकलों को खारिज कर दिया। पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि जो लोग ऐसी अटकलों के "गुब्बारे" या "पतंगें" उड़ा रहे हैं, वे ऐसा करते रहें, लेकिन वे महाराष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। फडणवीस को लेकर मौजूदा अटकलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कतर में रहने वाले भारतीय यूपीआई का उपयोग कर सकेंगे

नई दिल्ली, 17 अगस्त। कतर में रहने वाले भारतीय अब डाकघरों के माध्यम से भारत में यूपीआई से जुड़े बैंक खातों में सीधे पैसे भेज सकेंगे। कतर-भारत धन प्रेषण (पोस्टल रेमिटेंस)

- यह सेवा डाक विभाग तथा कतर डाक सहित संबंधित संस्थाओं के सहयोग से शुरु की गई है।

सेवा 15 अगस्त से शुरू हो गई है। यह सुविधा डाक विभाग और कतर डाक सहित, अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से शुरू की गई है।

केन्द्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि इस सेवा के तहत कतर में ग्राहक कतर के डाकघर जाकर भारत में किसी व्यक्ति की यूपीआई आईडी के जरिए पैसे भेज सकेंगे। इसके लिए उन्हें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"दिमागी नक्सल" कौन होता है?

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से दिए अपने भाषण में प्र.मंत्री मोदी की "दिमागी नक्सल" टिप्पणी ने नई राजनैतिक बहस छेड़ दी है

- प्रधानमंत्री ने युवाओं के लिए कई योजनाएँ घोषित कीं, साथ ही यह भी कहा कि युवाओं के एक वर्ग का "दिमागी नक्सली" लोगों द्वारा "ब्रेन वॉश" किया जा रहा है, उन्हें गुमराह किया जा रहा है।
- विपक्षी नेताओं का कहना है कि प्र.मंत्री का इशारा स्वतंत्र विचारधारा और वामपंथी रुझान वाले छात्र संगठनों की ओर है और उनकी दिमागी नक्सल टिप्पणी सरकार की भावी दिशा का संकेत दे रही है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरकार के विरोधियों के लिए दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल कई अन्य बातों के अलावा, भाजपा सरकार के रवैये में युवाओं के प्रति विरोधाभास को भी दर्शाता है।

एक ओर मोदी ने मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग, एआई कौशल प्रशिक्षण और नशामुक्त भारत जैसी घोषणाओं के जरिए युवाओं की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया और सरकार को महत्वाकांक्षी युवा भारतीयों के साथ खड़े साझेदार के रूप में पेश किया। दूसरी ओर, उन्होंने संकेत दिया कि इसी युवा वर्ग के एक भाग को दिमागी नक्सलियों द्वारा गुमराह करने या ब्रेनवॉश किए जाने का खतरा है और उसे मुख्यधारा में वापस लाने की जरूरत है।

इसका निहित संदेश साफ है: छात्रों की वास्तविक आकांक्षाओं का स्वागत है, लेकिन सरकार की आलोचना करने वाली या स्वतंत्र विचारधारा की छात्र राजनीति शक की नज़र से देखी जाती है।

"दिमागी नक्सल" का तंज इस बात का संकेत भी है कि आने वाले महीनों में छात्र राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ सकती है। सभी संकेतों से लगता है कि एबीवीपी के लिए यह काफी सक्रिय दौर होने वाला है। परिसरों में अपनी पहुंच बढ़ाने, जवाबी लामबंदी करने और अपने विरोधियों को राष्ट्र-विरोधी या वैचारिक रूप से दूषित बताकर उन्हें निशाना बनाने की कोशिश तेज हो सकती है।

एबीवीपी खुद को युवा विकास की वैध आवाज के रूप में पेश करती रहेगी, जबकि वामपंथी रुझान वाले या स्वतंत्र छात्र संगठनों को बदनाम करने के लिए दिमागी नक्सल जैसे आरोपों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

हालांकि, अनुकूल रुख रखने वाले युवाओं के लिए प्रोत्साहन और असहमति जताने वालों के लिए सख्ती की यह दोहरी रणनीति सीजेपी के बाद की जैनरेशन ज़ी की उभरती मुखरता को नियंत्रित कर पाएगी या नहीं, यह अभी एक खुला राजनीतिक सवाल है।

कॉकरोच जनता पार्टी के जैनरेशन ज़ैड आंदोलन, जिसने पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर दिया था, उससे जुड़े छात्र संगठनों ने प्रधानमंत्री के भाषण को इस बात के एक और प्रमाण के रूप में लिया है कि सरकार युवाओं के गुस्से को समझने और उसके मूल कारणों को दूर करने के बजाय उसे किसी लेबल से जोड़ने में अधिक सहज है।

सीजेपी और वामपंथी छात्र संगठनों को पहले ही अर्बन नक्सल जैसे आरोपों का सामना करना पड़ा है। अब इस्तेमाल किया गया नया शब्द उस रणनीति के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है, जिसे ऐसी पीढ़ी के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर एयरलाइन किराया बढ़ाये तो केन्द्र उड़ानें रोके'

नई दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने त्यौहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई किराए में भारी बढ़ोतरी को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि अगर एयलाइंस कंपनियां नियमों का पालन नहीं कर रही हैं, तो उनकी उड़ानें रोकने तक के कदमों पर विचार किया जा सकता है। जस्टिस विक्रम नाथ की

- सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को सख्त निर्देश दिये।

अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यात्रियों के हित में व्यवस्था तो बनाई गई है, लेकिन उसके पालन और नियमन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने कहा कि हवाई किराये से जुड़े नये नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। केंद्र सरकार ने नियमों का ड्राफ्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट को सौंपा। केंद्र सरकार ने कहा कि तीन हफ्ते में नये नियमों को अंतिम रुप दे दिया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलायची और माउथ फ्रैशनर के बहाने पान मसाला ब्रांड का प्रचार, कानून से खिलवाड़ की एक और मिसाल

महाराष्ट्र सरकार ने विमल इलायची के प्रचार के लिए बॉलीवुड फिल्म स्टार शाहरूख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के खिलाफ एक्शन लेकर "सरोगेट एडवर्टिज़मैंट" के खेल को सुर्ख़ियों में ला दिया है

- "सरोगेट" यानि छद्म विज्ञापन वे विज्ञापन हैं, जिनमें किसी प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार करने के लिए किसी अन्य प्रोडक्ट का सहारा लिया जाता है, जैसे विमल गुटखा के प्रचार के लिए विमल इलायची का विज्ञापन किया जाता है।
- भारत में तंबाकू आधारित उत्पादों के विज्ञापन पर काननून रोक है और इस कानून में बाद में ऐसे नियम भी जोड़ दिए गए, जिनमें तंबाकू उत्पाद ब्रांड के प्रचार के लिए अन्य उत्पाद का प्रचार करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।
- उपभोक्ता संरक्षण कानून की गाइडलाइन्स में भी "सरोगेट" विज्ञापन पर रोक लगाई गई है।
- महाराष्ट्र सरकार द्वारा फिल्मी हस्तियों पर की गई कार्यवाही सैलिब्रिटी विवाद बन कर न रह जाए, यह ध्यान रखना होगा, क्योंकि, यह मुद्दा इस विवाद का समाधान कर सकता है कि क्या किसी वैध उत्पाद की आड़ में प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार किया जा सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 अगस्त। विमल इलायची के विज्ञापनों को लेकर बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार की कार्रवाई ने भारत की सरोगेट विज्ञापन (छद्म विज्ञापन) के खिलाफ लंबे समय से चल रही लड़ाई को फिर से चर्चा में ला दिया है। यह विवाद एक बड़ा सवाल खड़ा करता है: किसी ऐसे उत्पाद का विज्ञापन, जो देखने में पूरी तरह वैध है, कब प्रतिबंधित तंबाकू या पान मसाला उत्पाद का अप्रत्यक्ष विज्ञापन बन जाता है?

यह मुद्दा नया नहीं है। सालों से, तंबाकू और पान मसाला उत्पाद बनाने वाली कंपनियाँ इलायची, माउथ फ्रेशनर और अन्य उत्पादों जैसे ब्रांड एक्सटेंशन के जरिए, अपने ब्रांड को लोगों की नज़र में बनाए रखती हैं, जबकि उक्त उत्पादों के सीधे विज्ञापन पर प्रतिबंध है।

भारत में इस तरह की गतिविधियों से निपटने के लिए पहले से ही एक मजबूत कानूनी ढांचा मौजूद है। सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सी.ओ.पी.टी.ए.), 2003 तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन पर रोक लगाता है। इस कानून के तहत बाद में बनाए गए नियम अप्रत्यक्ष विज्ञापनों पर भी रोक लगाते हैं। इनमें तम्बाकू उत्पाद के नाम या ब्रांड का इस्तेमाल अन्य सामान सेवाओं या कार्यक्रमों के प्रचार के लिए करना भी शामिल है।

उपभोक्ता संरक्षण कानून की व्यवस्था भी इसमें एक और स्तर जोड़ती है। केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की 2022 की गाइडलाइंस उन वस्तुओं और सेवाओं के सरोगेट या अप्रत्यक्ष विज्ञापन पर रोक लगाती हैं, जिनके विज्ञापन पर पहले से प्रतिबंध या रोक है।

फिर भी इन नियमों को लागू करना मुश्किल रहा है, क्योंकि इंडस्ट्री का बचाव (डिफैंस) सीधा है: विज्ञापन पूरी तरह से वैध उत्पाद के लिए है।

इस बचाव की अदालतों में परीक्षा हो चुकी है। विमल इलायची से जुड़े एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शहजाद पूनावाला ने भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन से अनुरोध किया है कि इस बार उनके इस्तीफे को स्वीकार

- उन्होंने भाजपा व शीर्ष नेतृत्व को मार्ग दर्शन व सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया।

कर लिया जाए। इससे पहले भी उन्होंने 30 जुलाई को इस्तीफा दिया था, लेकिन पार्टी ने उसे स्वीकार नहीं किया था।

सोमवार को भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने एक बार फिर अपना इस्तीफा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को भेजा है और इसे स्वीकार करने का अनुरोध किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, मंगलवार 18 अगस्त, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

जल प्रबंधन में नए कीर्तिमान
जल समृद्ध हो रहा राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

₹91,000 करोड़ की लागत से राम जल सेतु लिंक परियोजना

संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना

- 4.98 लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा
- 17 जिलों को पेयजल- जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर, ब्यावर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, धौलपुर

₹34,102 करोड़ की यमुना जल परियोजना

शेखावाटी को वर्षों बाद जल
32 वर्षों का इंतज़ार पूरा
चूरू, सीकर, झुंझुनूं – भरपूर पानी

राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल समझौते (MoA) पर हस्ताक्षर

गंग, भाखड़ा एवं इंदिरा गांधी नहर परियोजना के नहरी-तंत्र के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए राशि ₹5500 करोड़
लाभान्वित जिले - हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर , चुरू, बीकानेर, फलौदी
जैसलमेर ,सीकर, झुंझुनू , नागौर, जोधपुर, डीडवाना- कुचामन, बाड़मेर और बालोतरा

ब्राह्मणी-राणा प्रताप सागर- बनास लिंक
680 एमसीएम जल बनास नदी में अपवर्तन
लाभान्वित जिले भीलवाड़ा, टोंक, जयपुर, अजमेर, दौसा, सवाई माधोपुर, करौली, अलवर, भरतपुर एवं डीग

₹2,500 करोड़
की **अपर हाई लेवल कैनाल माही परियोजना** से बांसवाड़ा के 338 गांवों में सिंचाई

देवास तृतीय एवं चतुर्थ बांध का निर्माण
राज्य सरकार द्वारा राजसमंद जिले में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु खारी फीडर की जल संवहन क्षमता को दोगुना करने की लगभग ₹150 करोड़ की महत्वाकांक्षी परियोजना

₹7,355 करोड़ की
परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना से कोटा, बारां, झालावाड़ के 571 गांवों में 2.01 लाख हेक्टेयर सिंचाई एवं 1402 गांवों में पेयजल सुविधा

पाली एवं सिरोही में पेयजल आपूर्ति हेतु सेई एवं साबरमती बांधों का निर्माण कर जवाई बांध में पानी पहुंचाया जाएगा। परियोजना लागत **₹1,255.90 करोड़** है साथ ही, सेई बांध की टनल क्षमता बढ़ाने पर ₹65 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं।

माही बेसिन के अनास एवं सोम नदियों के 500 MCM अधिशेष जल को जाखम बांध, जयसमंद बांध के साथ साथ सोम-कमला-अंबा बांध के माध्यम से **जवाई बांध** एवं जालौर तक आपवर्तित करने का संकल्प
लाभान्वित जिले: बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूंबर, डूंगरपुर, उदयपुर, पाली, जालौर एवं जोधपुर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

महान ध्येय का मौन में ही सृजन होता है। –साने गुरूजी

क्या सत्ताधीशों का काम केवल विरोध को कुचलने का रह गया है?

दिनांक 13 अगस्त, 2026 को बार कौंसिल ऑफ इंडिया (बी सी आई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा ने आदेश जारी किया कि हैदराबाद के विधि विश्वविद्यालय, NALSAR के 2026 बैच के छात्रों का पंजीयन किसी राज्य की बार कौंसिल में नहीं किया जाएगा। बिना बार कौंसिल में रेजिस्ट्रेशन के कोई विधि स्नातक किसी भी न्यायालय में वकालत नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि NALSAR के छात्रों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में बुलाने का विरोध किया था और कहा था कि वे उनके हाथों से डिग्री नहीं लेंगे। इसका कारण यह बताया गया कि न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के छात्रों की अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा करने में असमर्थ रहे हैं। जब दिल्ली में पुलिस अत्याचार के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि उनके पास ये वीडियो देखने के लिए समय नहीं है। यह बयान युवाओं के प्रति उनकी असंवेदनशीलता दर्शाता था। उनके फैसले, युवाओं के हित के विपरीत रहे हैं। पाठकों के लिए यह जानना उचित होगा कि पारंपरिक रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश को NALSAR के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि की तरह बुलाया जाता रहा है।

बार काउंसिल के अध्यक्ष मनन मिश्रा वही व्यक्ति हैं जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर बिहार से विधायक का चुनाव लड़ा। बाद में 2013 में ये भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और भाजपा के प्रति स्वामी भक्ति दिखाने के कारण इनको राज्यसभा का सदस्य बना दिया गया। ये 2014 से लगातार बार काउंसिल के अध्यक्ष बने हुए हैं। मिश्रा के इस मनमाने और बेतुके आदेश की सब वकीलों, नेताओं, यहां तक कि भाजपा के नेताओं ने भी कड़ी निंदा की। कॉकरोच जनता पार्टी, (सी जे पी) के नेताओं ने तो यहां तक घोषणा कर दी कि वे मनन मिश्रा के सरकारी आवास और उनके कार्यालय का घेराव करेंगे। तीव्र विरोध को देखते हुए मनन मिश्रा को दो घंटों में ही अपना वह आदेश वापस लेना पड़ा। उन्होंने बड़े भोलेपन से मीडिया के माध्यम से यह बयान दिया कि वे युवाओं के भविष्य को किसी प्रकार से खराब नहीं करना चाहते हैं ।

मनन मिश्रा का यह आदेश तो केवल एक उदाहरण है, वास्तविकता तो यह है कि सत्ता की कुर्सी पर बैठा हर व्यक्ति अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुंठित करने का कार्य कर रहा है। विरोध के प्रति इतनी असहिष्णुता पहले नहीं देखी गई। नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी, संविधान द्वारा दी गई है । जहां, जिसको अवसर मिलता है वह विरोध को सहन नहीं कर पाता और उसके स्वर को कुचलने का प्रयास करने लगता है।

देश के कई प्रमुख विश्वविद्यालयों में 15-20 साल से छात्र संगठन के चुनाव नहीं हुए हैं। अपनी राजनीतिक विचारधारा को अभिव्यक्त करने का कोई मंच ही छात्रों को उपलब्ध नहीं है । केंद्र एवं राज्यों में सरकारों ने अपने चहेते कुलपति और अध्यक्ष सभी शिक्षण संस्थाओं में बिठा दिए, ताकि छात्रों को उनकी ही विचारधारा को मानने हेतु बाध्य किया जा सके। सरकार विरोधी विचारधारा रखने वाले लोगों को टारगेट करके प्रताड़ित करने का प्रयास किया जाता है ।

हाल ही में कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान कई विश्वविद्यालयों और संस्थाओं ने इस आंदोलन में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया और छात्रों को सलाह दी कि इसमें भाग न लें। यह धमकी तक दी गई कि यदि उन्होंने इसमें भाग लिया तो उन्हें विश्वविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है। एक विश्वविद्यालय ने तो यहां तक लिख दिया कि यदि उनके विश्वविद्यालय के छात्र आंदोलन में भाग लेंगे तो, विश्वविद्यालय और केंद्र सरकार के संबंध पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे आदेश निकालने वालों में दिल्ली विश्वविद्यालय, जे एन यू, जामिया मिलिया, आई आई टी रुड़की और मद्रास जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय एवं शैक्षिक संस्थानों का कार्य स्वतंत्र सोच को विकसित करने का है अथवा उसे दबाने का? यदि विश्विद्यालय, सरकार विरोधी विचारधारा के स्वर को दबाने का काम करेंगे तो उन्हें विश्वविद्यालय कहना बेमानी होगा। विश्वविद्यालय छात्र संघों से निकले कई छात्र नेता, बाद में राष्ट्रीय राजनीति में आए और विधायक, सांसद और मंत्री तक बने, जैसे अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, रवि शंकर प्रसाद आदि आदि।

यह देश का दुर्भाग्य ही है कि जिस अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी संविधान में दी गई है, उसे ही किसी न किसी तरह से, हर स्तर पर दबाने का प्रयास किया जा रहा है। यह काम सरकारी विभागों के अधिकारी तो करते ही थे, अब तो उच्च शिक्षण संस्थान तक यही करने लगे हैं। कई बार तो लगता है कि प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के मुखिया के रूप में नियुक्त होने के लिए केवल एक ही अनिवार्य शर्त है, और वह यह कि, आप सत्ताधारी दल के सेवक के रूप में कार्य करने को तत्पर हों।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम केवल वर्तमान भाजपा सरकार ही नहीं कर रही है । पूर्व में भी, हर सत्ताधारी दल ने अपने विरोधियों की आवाज़ को दबाने और कुचलने का ही काम किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो आपातकाल के रूप में 1975 में सामने आया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया था।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने का काम केवल वर्तमान भाजपा सरकार ही नहीं कर रही है । पूर्व में भी, हर सत्ताधारी दल ने अपने विरोधियों की आवाज़ को दबाने और कुचलने का ही काम किया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तो आपातकाल के रूप में 1975 में सामने आया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूरे देश में आपातकाल लगा दिया था। सभी प्रकार के संचार माध्यमों पर सरकार विरोधी कोई बयान देने और संगठन बनाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया । आपात काल के बाद मार्च, 1977 में जब चुनाव हुए, तब जनता ने दिखा दिया कि वह अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखना चाहती है और जो भी उसे दबाने का प्रयास करेगा, उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। जनता ने इंदिरा गांधी जैसी शक्तिशाली प्रधानमंत्री की सरकार को 1977 के चुनावों में बुरी तरह पराजित करके सत्ता से उखाड़ फेंका।

गत कुछ वर्षों से जिस प्रकार की असहिष्णुता, विचारों की भिन्नता के लिए और सत्ताधारी दल के मत से अलग मत रखने वालों के प्रति दिखाई जा रही है, उससे तो यही लगता है कि राजनैतिक दलों ने इतिहास से कुछ नहीं सीखा और फिर वही गलती दोहरा रहे हैं। इस भय के वातावरण के कारण सरकार के विरुद्ध मुंह खोलना, जोखिम भरा काम हो गया है। जिन विद्यार्थियों ने कॉकरोच जनता पार्टी के जंतर मंतर के प्रदर्शन में भाग लिया, पुलिस द्वारा उनकी पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई कार्यवाही की जा रही है।

आजकल तो विश्वविद्यालय में कुलपति, प्रोफेसर एवं शिक्षकों के पदों पर चयन हेतु, सत्ताधारी दल की विचारधारा वाला व्यक्ति होना, अनिवार्य शर्त बन गई है। यहां तक कि निजी विश्वविद्यालय में भी यदि सरकार के निर्णय के विरुद्ध कोई आवाज उठा दें, तो वहां के मुखिया को उनके मालिकों के माध्यम से हटाने की कार्यवाही की जाती है।

मीडिया अपनी सही भूमिका तभी निभा सकता है जब वह अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखे और निष्पक्ष रहे । कुछ वर्षों से यह देखा गया है कि मीडिया अंग्रेज़ी की कहावत "more loyal than the king" को सही सिद्ध करने में लगा है। यह मीडिया निष्पक्षता की सभी सीमाओं को लांघते हुए सत्ताधारी दल को खुश करने में लगा है। इस प्रकार के मीडिया को 'गोदी मीडिया' की संज्ञा दी गई है यानि सरकार की गोद में बैठा मीडिया। इनका उद्देश्य स्पष्ट है, सरकार के अधिकाधिक विज्ञापन उन्हें मिलते रहें और सरकार का पूर्ण संरक्षण उन्हें प्राप्त हो।

आज, यदि धरातल के वास्तविक समाचार लोगों तक पहुंच रहे हैं तो, वह केवल सोशल मीडिया की बदौलत है । कुछ साहसी पत्रकार, फील्ड में जाकर वास्तविकता उजागर करने का प्रयास करते हैं किंतु उनके लिए भी जोखिम बहुत बढ़ी है । सरकार के किसी निर्णय और कार्रवाई का विरोध, उनके लिए कितना भारी पड़ सकता है, इसके अनेक उदाहरण गत कुछ वर्षों में देखने में आए हैं । कई चैनल बंद कर दिए गए या उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। कुछ के विरुद्ध ई डी, सी बी आई, इनकम टैक्स जैसी एजेंसियों को छोड़ दिया गया है।

सरकार विरोधी रिर्पोटिंग करने वाले कुछ पत्रकारों को गिरफ्तार तक कर लिया गया । यूपी में एक सरकारी स्कूल में मिड डे मील में पानी और नमक के साथ रोटी खाते हुए बच्चों को दिखा दिया तो सरकार ने उस पत्रकार को गिरफ्तार करवा दिया। जिस पत्रकार ने हाथरस बलात्कार और हत्या कांड के सच को मीडिया में प्रसारित करने की कोशिश की तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया । उसकी जमानत भी सुप्रीम कोर्ट के दखल से हुई।

कोई शायर या कॉमेडियन ऐसी कोई बात सार्वजनिक मंच से कह दे जो सरकार को अपने विरोध में दिखाई दे तो उस पर कार्रवाई करने में कोई देरी नहीं होती। सरकार के इस काम में, दुर्भाग्य से, प्रशासन भी पूरी तरह सहयोग करने के लिए, हर गैर कानूनी आदेश का पालन करने के लिए तत्पर रहता है । उदाहरणार्थ, लद्दाख के जिला प्रशासन ने बिना पर्याप्त कारण के, सोनम वांगचुक को नेशनल सिक्योरिटी एक्ट में गिरफ्तार करके सात महीने के लिए जेल में डाल दिया था। बाद में, स्वयं गृह मंत्रालय को एन एस ए के अंतर्गत जारी आदेश को वापस लेना पड़ा । इससे, सरकार की बड़ी किरकिरी हुई थी ।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखने में जहां सत्ता पक्ष के नेताओं की प्रमुख भूमिका है, वहीं, संविधान की शपथ लेने वाले नौकरशाहों और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की भी उतनी ही भूमिका है । यदि वे अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधी रखें तो सरकार, चाहते हुए भी असंवैधानिक तरीके नहीं अपना सकती है। बस, इसके लिए उनको स्वयं को दो ही बातों से मुक्त करना होगा - भय और लोभ। अधिकारी गण, सरकार के उचित -अनुचित सभी आदेशों का पालन केवल इसलिए करते हैं कि उन्हें मनमानी पोस्टिंग मिल जाए या वह नेताओं के साथ मिलकर अनैतिक रूप से धन कमा सकें, या फिर वे इतने कायर है कि उनके विरुद्ध प्रताड़ना की कार्यवाही से भय खाते हैं। यदि अधिकारी अपने विवेक से कानून सम्मत काम करते तो जंतर मंतर के प्रदर्शनकारी छात्रों पर पेलेट गन का इस्तेमाल नहीं होता और बिहार में कोई सिपाही एके-47, प्रदर्शनकारियों पर नहीं तान देता।

ऐसा लगता है कि कोई भी व्यक्ति कुर्सी पर बैठे, उसका पहला काम ही विरोध के स्वर को दबाने का हो जाता है। यह प्रवृत्ति अब शायद जनता के दबाव से कम होगी और अधिकारीगण, स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से कार्य करेंगे। राजनेताओं को सबक सिखाने का काम तो जनता, केवल चुनाव के माध्यम से पांच साल में एक बार कर सकती है। राजनीतिज्ञों को यह बात समझती होगी कि जनता के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करके वे न केवल लोकतंत्र की रक्षा कर पाएंगे अपितु स्वयं की छवि और भविष्य को भी बेहतर बना पाएंगे। अन्यथा, मौका लगने पर जनता उन्हें कैसे पटखनी दे देती है, इसका इतिहास गवाह है ।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

संवैधानिक धर्म: समानता और बंधुत्व का मार्ग

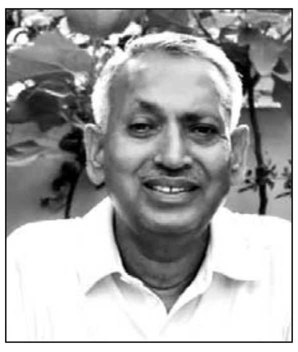

मदन सिंह काला

संविधान की प्रस्तावना हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। 26 जनवरी 1950 को जब यह लागू हुआ, तो हर भारतीय नागरिक से चार वादे किए - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व। 75 वर्ष बाद आज हमें यह परखना है कि इन वादों को जमीन पर उतारने में हम कहां तक सफल हुए। यदि प्रस्तावना एक संकल्प है, तो आरक्षण उस संकल्प को पूरा करने का सबसे बड़ा संवैधानिक उपकरण है।

इतिहास हमें बताता है कि भारत की हार का सबसे बड़ा कारण बाहरी आक्रांता नहीं, बल्कि अंदर की फूट थी। इस फूट की जड़ जन्म आधारित वर्ण व्यवस्था में थी। समाज को चार हिस्सों में बांट दिया गया। ब्राह्मण को समस्त समाज को शिक्षा देने का दायित्व मिला, पर उसने उसे सीमित रखा। क्षित्रय को रक्षा की जिम्मेदारी मिली, पर वह अकेला बार-बार हारता गया क्योंकि उसके पीछे पूरा समाज नहीं खड़ा था। वैश्य का काम शुद्ध व्यापार था, पर उसने उसे ईमानदारी से नहीं निभाया गया। शूद्रों को खेती, पशुपालन, भवन निर्माण, कपड़ा बुनाई, लोहे-सोने का काम, जूते बनाने जैसे सभी तकनीकि व उत्पादकता जैसे कार्यों में लगा दिया गया, लेकिन उन्हें शिक्षा और संपत्ति के अधिकार से वंचित रखा गया। अतिशूद्रों को तो "पूर्व जन्म के कर्मों" का हवाला देकर अछूत घोषित कर समाज से बिल्कुल अलग कर दिया गया।

इस तरह समाज की 80-85 प्रतिशत शक्ति को शिक्षा, सम्मान और अवसरों से दूर रख दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देश न आर्थिक रूप से मजबूत बन पाया, न सैन्य रूप से और न बौद्धिक रूप से। यही कारण है कि हम बार-बार गुलाम हुए।

इसी ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए संविधान निर्माताओं ने 'सकारात्मक कार्रवाई' का मार्ग चुना। यह कोई राजनीतिक चाल या दया नहीं थी, बल्कि एक संवैधानिक उपचार था। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि संविधान में आरक्षण का आधार कभी आर्थिक कमजोरी नहीं रहा। संविधान सभा में बहस के दौरान डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था - "I don't prefer the competent government, I prefer the representative government." इसका अर्थ है आरक्षण का उद्देश्य 'योग्य सरकार' नहीं, बल्कि 'प्रतिनिधि सरकार' बनाना है। इसलिए अनुच्छेद 16(4) में आधार 'सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन' रखा गया है। दुनिया के अन्य देशों में भार Affirmative Action है, लेकिन उसका आधार भी आर्थिक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक भेदभाव और कम प्रतिनिधित्व है।

-आरक्षण प्रतिभा के विरुद्ध व्यवस्था नहीं है; यह उस असमान प्रारंभिक स्थिति को संतुलित करने का संवैधानिक प्रयास है जिसमें सभी प्रतियोगियों को समान अवसर कागज पर तो मिलता है, लेकिन सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक परिस्थितियाँ समान नहीं होतीं।- जिस बच्चे के घर में किताब नहीं, कोचिंग नहीं, अच्छे स्कूल नहीं, उसे उसी लाइन से दौड़ाना जहाँ दूसरे के पास पीढ़ियों से संसाधन हैं, यह समानता नहीं होगी। आरक्षण उसी दौड़ को बराबर करने के लिए 'हैंडीकैप' की तरह है। एक बार बराबरी आ जाए, फिर मैदान सबके लिए खुला है।

75 वर्षों का परिणाम सामने है। एससी/एसटी की साक्षरता 1951 के 10 प्रतिशत से बढ़कर 2021 में 70 प्रतिशत से अधिक हो गई। आज इन वर्गों से आईएएस, आईपीएस, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, खिलाड़ी, उद्यमी और जनप्रतिनिधि निकल रहे हैं। राज्यों में आरक्षण की स्थिति अलग-अलग है। सिक्किम में कुल 85 प्रतिशत आरक्षण है, तमिलनाडु में 69 प्रतिशत, राजस्थान में 64 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 60 प्रतिशत और कर्नाटक में 50 प्रतिशत की सीमा लागू है, जिसे राज्य सरकार ने 66 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा है। केंद्र में एससी 15 प्रतिशत, एसटी 7.5 प्रतिशत, ओबीसी 27 प्रतिशत और इडब्ल्यूएस 10 प्रतिशत आरक्षण लागू है।

आरक्षण के बाद भारत की तस्वीर बदली। आजादी के बाद हम कभी किसी विदेशी ताकत के गुलाम नहीं बने। हमारी तीनों सेनाएं - थल, नौसेना, वायुसेना - दुनिया की सबसे बहादुर सेनाओं में हैं। -ध्यान देने योग्य बात है कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं की कॉम्बैट/लड़ाकू भर्ती में कोई जातिगत आरक्षण नहीं है।- वहां चयन पूरी तरह मेरिट, शारीरिक दक्षता और राष्ट्र भक्ति के आधार पर होता है, और यही हमारी ताकत है। इसी तरह ओलंपिक और एशियाड में भी कोई आरक्षण नहीं है, फिर भी एससी/एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के खिलाड़ी मिलकर मेडल लाते हैं। यह सिद्ध करता है कि अवसर मिलने पर हर वर्ग प्रतिभा दिखा सकता है।

पिछले वर्षों में 'समरसता' शब्द चर्चा में है। समर्थक इसे प्रेम और भाईचारे का प्रतीक मानते हैं। लेकिन यहां गंभीर आपत्ति है। डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने स्वयं कहा था - "I don't want Samrasta, I want Samata" मुझे समरसता नहीं, समानता चाहिए। यदि 'समरसता' का अर्थ जन्म आधारित कर्म को स्वीकार करना है, तो यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है। संविधान का लक्ष्य 'समरसता' नहीं, बल्कि 'समानता और बंधुत्व' है। वास्तविक समरसता तभी होगी जब हर वर्ग का व्यक्ति मंदिर से लेकर प्रयोगशाला तक, खेत से लेकर संसद तक, अपनी योग्यता से आगे बढ़ सके।

सरकारी क्षेत्र में आरक्षण के बाद भी समाज के कुछ क्षेत्रों में असमानता दिखती है। हिंदू धर्म जिसे सनातन धर्म भी कहा जाता है, के कई धार्मिक स्थलों, ट्रस्टों और पूजा से जुड़ी भूमिकाओं में आज भी पीढ़ीगत आधार पर ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य वर्णों का वर्चस्व है। शूद्र और अतिशूद्र वर्ण की जातियों को व्यवस्थित प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। इसी तरह देश के चार पीठों के शंकराचार्यों और विभिन्न अखाड़ों के महामंडलेश्वरों जैसे शीर्ष पदों परंपरागत रूप से जन्म के आधार पर ही चयन होता आया है। जब तक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संस्थाओं में सभी वर्गों को समान सम्मान और भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'बंधुत्व' अधूरा रहेगा।

इस संदर्भ में इडब्ल्यूएस आरक्षण का प्रश्न भी उठता है। 10 प्रतिशत इडब्ल्यूएस आरक्षण को संविधान की मूल भावना के विरुद्ध माना जा सकता है। सबसे बड़ी विसंगति यह है कि यह एससी/एसटी, और ओबीसी के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर लागू ही नहीं होता। यदि आधार आर्थिक है, तो फिर इन वर्गों के गरीबों को इससे बाहर क्यों रखा गया? इससे स्पष्ट है कि इसका आधार सामाजिक न्याय नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे बिना गहन बहस के स्वीकार कर लिया, लेकिन संवैधानिक दृष्टि से यह प्रावधान संदिग्ध है।

अब समय आ गया है कि हम आरक्षण को अंतिम लक्ष्य न मानें। - आरक्षण अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि समान अवसर तक पहुंचने का साधन है। अंतिम लक्ष्य ऐसा समाज होना चाहिए जिसमें जन्म व्यक्ति की शिक्षा, सम्मान, रोजगार, नेतृत्व और जीवन की संभावनाओं को निर्धारित न करे। इसके लिए हमें एक संयुक्त मॉडल अपनाना होगा - आरक्षण + गुणवत्तापूर्ण शिक्षा + आर्थिक सशक्तिकरण + सामाजिक प्रतिनिधित्व + संवैधानिक बंधुत्व।

इसके लिए सबसे पहले हर 10 वर्ष में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण होना चाहिए ताकि नीति सही आंकड़ों पर बने और ओबीसी के लिए 'क्रीमी लेयर' को सख्ती से लागू किया जाए। दूसरा बड़ा कदम शिक्षा में होना चाहिए। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, मुफ्त कोचिंग और छात्रवृत्ति से लक्ष्य यह हो कि अगली पीढ़ी को आरक्षण पर निर्भर न रहना पड़े। तीसरा कदम आर्थिक सशक्तिकरण का है। मुद्रा, स्टार्टअप और कौशल विकास योजनाओं को एससी/एसटी, ओबीसी युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। चौथा कदम संस्थाओं में समावेश का है। सरकारी मंदिरों और ट्रस्टों की प्रबंधन समितियों में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व मिले और धार्मिक शिक्षा सभी के लिए खोली जाए। पांचवां कदम संवाद का है। गांव-स्तर पर संविधान और बंधुत्व पर चर्चा हो और भेदभाव के खिलाफ कानूनों का कड़ाई से पालन हो।

अब 75 वर्षों बाद हमें एक नई सोच अपनानी होगी। परम्परागत धर्मों की जगह हमें एक -'संवैधानिक धर्म'- की अवधारणा विकसित करनी चाहिए। इस धर्म में शनैः शनैः जन्म, कर्म और जाति की जगह संवैधानिक मूल्य ले लें - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व। इस 'संवैधानिक धर्म' के 4 स्तंभ होंगे: समानता का पूजा-स्थल स्कूल, अस्पताल, अदालत, बंधुत्व का प्रसाद अवसर और प्रतिनिधित्व, न्याय का आचरण भेदभाव न करना, और स्वतंत्रता का मंत्र अपनी प्रतिभा से जीवन चुनने की आजादी।

आरक्षण कमजोरी नहीं है। यह उस टूटी हुई कड़ी को जोड़ने का संवैधानिक रास्ता है जिसके कारण हम सदियों तक कमजोर रहे। जब समाज का हर वर्ग - सरकारी दफ्तर, स्कूल, सेना, उद्योग और धार्मिक संस्था - सब जगह शिक्षित और सशक्त होकर भाग लेगा, तभी भारत एक मजबूत और आत्मनिर्भर राष्ट्र बन सकेगा। अनेकता में एकता ही हमारी वास्तविक जीत है। संविधान केवल एक कागजी दस्तावेज नहीं है, बल्कि -145 करोड़ से अधिक- भारतीयों के बीच का सामाजिक समझौता है। आइए हम सब मिलकर न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के इस वादे को पूरा करने के लिए काम करें।

-मदन सिंह काला, पूर्व आई.ए.एस अधिकारी

रंगमंच महंगा होगा तो अभिव्यक्ति सस्ती कैसे रहेगी?

राजेन्द्र जोशी

कला, साहित्य और संस्कृति किसी भी समाज की आत्मा होती है। इनका संरक्षण करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन केवल संरक्षण की घोषणा कर देने से संस्कृति जीवित नहीं रहती। इसके लिए कलाकारों, साहित्यकारों और रंगकर्मियों को साधन, सुविधाएँ और सबसे महत्वपूर्ण-अभिव्यक्ति के लिए सहज और सुलभ मंच उपलब्ध करवाना भी सरकार का दायित्व है।

लोकतंत्र में अभिव्यक्ति का अधिकार तभी सार्थक है, जब आम आदमी अपनी बात कह सके। कलाकार अपने नाटक के माध्यम से समाज की विसंगतियों और कुरीतियों पर सवाल उठाता है, साहित्यकार गोष्ठियों के माध्यम से विचारों को समाज तक पहुँचाता है और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हमारी लोक परंपराओं और सामाजिक चेतना को आगे बढ़ाती हैं। इसलिए सरकारी सभागारों और रंगमंचों का किराया इतना नहीं होना चाहिए कि आम कलाकार वहाँ कार्यक्रम करने के बारे में सोच भी न सके।

बीकानेर का सांस्कृतिक इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। साहित्य, रंगमंच, लोककला और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में बीकानेर की अपनी विशिष्ट पहचान है। बीकानेर को साहित्य की राजधानी तक कहा गया है। यहाँ अनेक साहित्यकारों, रंगकर्मियों और कलाकारों ने अपनी रचनात्मक यात्रा शुरू की और देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाई।

ऐसे शहर में टाउन हॉल केवल एक भवन नहीं है। यह बीकानेर की सांस्कृतिक स्मृति और सार्वजनिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। लंबे समय से साहित्यिक गोष्ठियाँ, नाट्यय प्रस्तुतियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक आयोजन और विचार-विमर्श यहाँ होते रहे हैं। लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या टाउन हॉल वास्तव में आम रंगकर्मी, साहित्यकार और सामाजिक संस्थाओं की पहुँच में रह गया है? टाउन हॉल का किराया जिस तरह बढ़ाया गया है, उसने छोटे बजट में काम करने वाले रंगकर्मियों और संस्थाओं के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। किसी रंगकर्मी के लिए नाटक तैयार करना ही आसान काम नहीं है। कलाकारों की मेहनत, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि, प्रचार-प्रसार और अन्य खर्चों के बाद यदि सभागार का किराया ही इतना अधिक हो जाए कि आयोजन की पूरी आर्थिक गणित बिगड़ जाए तो कलाकार अपनी प्रस्तुति कहाँ करेगा? यह सवाल केवल रंगकर्मियों का नहीं है। यह बीकानेर के सांस्कृतिक भविष्य का सवाल है।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि बीकानेर के रंगकर्मी और कला-संस्कृति से जुड़े लोग टाउन हॉल के किराये को लेकर कई बार राजनेताओं और जिला प्रशासन से आग्रह कर चुके हैं। अपनी समस्या से अवगत करवाया है और किराये को तर्कसंगत एवं सामान्य करने की मांग रखी है। लेकिन लगातार आग्रह के बावजूद यदि प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होती तो यह चिंता का विषय है। ऐसा लगता है जैसे कलाकारों की आवाज प्रशासन के कानों तक पहुँच ही नहीं रही। रंगकर्मियों का यह कहना गलत नहीं है कि जब वे बार-बार अपनी बात रख चुके हैं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से आग्रह कर चुके हैं, फिर भी कोई निर्णय नहीं होता तो आखिर वे अपनी बात किसके सामने रखें? सरकारी भवन जनता के पैसे से बनते हैं। टाउन हॉल भी जनता की सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए है। उसका उद्देश्य केवल किराये से अधिकतम राजस्व अर्जित करना नहीं हो सकता। व्यावसायिक आयोजन और सांस्कृतिक आयोजन एक कैसे हो सकते हैं? जिला प्रशासन को एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा व्यावसायिक कार्यक्रम और गैर-व्यावसायिक सांस्कृतिक आयोजन एक समान नहीं होते।

यदि कोई बड़ा व्यावसायिक कार्यक्रम है, किसी कंपनी का प्रचारात्मक आयोजन है अथवा ऐसा कार्यक्रम है जिससे आयोजक को आर्थिक लाभ होता है, तो उसके लिए अलग किराया निर्धारित किया जा सकता है। लेकिन स्थानीय रंगकर्मी जब अपनी जेब से या सीमित सहयोग से नाटक तैयार करता है, साहित्यकार साहित्यिक गोष्ठी आयोजित करता है या कोई सामाजिक संस्था जनजागरूकता का कार्यक्रम करती है, तो उनसे उसी दर पर किराया लेना न्यायसंगत नहीं है।

सरकार को चाहिए कि टाउन हॉल के किराये की अलग-अलग श्रेणियाँ निर्धारित करे। व्यावसायिक आयोजनों के लिए सामान्य दर हो, जबकि साहित्य, कला, रंगमंच, लोक संस्कृति, विद्यार्थी गतिविधियों और सामाजिक सरोकारों से जुड़े गैर-व्यावसायिक कार्यक्रमों के लिए अत्यंत रियायती दर रखी जाए। बीकानेर के रंगकर्मियों ने रवींद्र रंगमंच के लिए एक-दो वर्ष नहीं, बल्कि लगभग तीन दशक तक संघर्ष किया। आंदोलन किए, आवाज उठाई और सरकारों के सामने अपनी मांग रखी। लंबे संघर्ष के बाद रवींद्र रंगमंच बना। लेकिन आज स्थिति यह है कि उसका किराया भी सामान्य रंगकर्मी की आर्थिक पहुंच से बाहर होता जा रहा है। ऐसे में जिस मंच के लिए कलाकारों ने वर्षों संघर्ष किया, वही मंच यदि कलाकारों के लिए महंगा हो जाए तो यह व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

फिर भी टाउन हॉल की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह लंबे समय से बीकानेर की सांस्कृतिक गतिविधियों का सुलभ केंद्र रहा है। यदि टाउन हॉल भी कलाकारों की आर्थिक पहुंच से बाहर हो गया तो छोटे रंगकर्मियों और साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओं के पास आखिर कौन-सा विकल्प बचेगा?

सरकारें बड़े-बड़े सांस्कृतिक उत्सव आयोजित करती हैं। मंच सजते हैं, कलाकार बुलाए जाते हैं और संस्कृति के संरक्षण की बातें होती हैं। लेकिन संस्कृति का वास्तविक संरक्षण तब होगा, जब स्थानीय कलाकारों को वर्षभर मंच उपलब्ध होगा। बीकानेर के कलाकारों को किसी बड़े महोत्सव में साल में एक बार मंच देने से अधिक जरूरी है कि उन्हें पूरे वर्ष छोटे-छोटे कार्यक्रम करने के लिए सुलभ स्थान मिले। कला और साहित्य के लिए बने सरकारी सभागारों का उद्देश्य राजस्व कमाना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होना चाहिए। जिला प्रशासन को टाउन हॉल के किराये पर तत्काल पुनर्विचार करना चाहिए। रंगकर्मियों, साहित्यकारों, कलाकारों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनकी बात सुननी चाहिए और ऐसा किराया तय करना चाहिए जो व्यावहारिक भी हो और कलाकारों की पहुंच में भी। बीकानेर के रंगकर्मी कोई विशेष सुविधा नहीं मांग रहे हैं। वे केवल इतना चाहते हैं कि जिस शहर की सांस्कृतिक पहचान इतनी समृद्ध है, वहाँ संस्कृति के लिए बने मंच संस्कृति से जुड़े लोगों के लिए सुलभ रहें। अभिव्यक्ति का अधिकार संविधान ने दिया है, लेकिन उस अभिव्यक्ति के लिए मंच उपलब्ध करवाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। टाउन हॉल आम आदमी की पहुंच से बाहर होगा तो बीकानेर की सांस्कृतिक आवाज कमजोर होगी। इसलिए समय आ गया है कि जिला प्रशासन कलाकारों की आवाज सुने और टाउन हॉल के बढ़े हुए किराये को तत्काल वापस लेकर रंगकर्मियों, साहित्यकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए तर्कसंगत एवं रियायती किराया निर्धारित करे। बीकानेर का टाउन हॉल केवल ईंट-पत्थर का भवन नहीं है-यह बीकानेर की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा है। इसे बाजार की दरों पर नहीं, संस्कृति की जरूरतों के आधार पर चलाया जाना चाहिए।

-राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद- साहित्यकार

राशिफल मंगलवार 18 अगस्त, 2026

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2083, स्वाती नक्षत्र बुधवार प्रातः 6:47 तक, शुक्ल योग रात्रि 3:23 तक, तैतिल करण सायं 5:51 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-कर्क, गुरू-कर्क, शुक्र-कन्या, शनि-मीन राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज मंगल गौरी पूजा, कल्की जयन्ती, श्रियाल छठ, वर्णषष्ठी है। आज से कल्याण धणी डिग्गी यात्रा आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:17 से 10:54 तक, लाभ-अमृत 10:54 से 2:08 तक, शुभ 3:44 से 5:21 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:58

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। आज अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

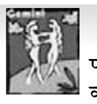

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है।

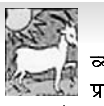

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज व्यक्तिगत पारिवारिक कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
o/o मुख्य अभियंता (सिविल), एल.आई.सी. जीवनदीप भवन, लालकोठी, जयपुर

निविदा आमंत्रण सूचना : TN-08 (RVU2627WSOB01112)

"आर.जी.टी.पी.पी. रामगढ में कूलिंग टॉवर स्टेज-1 एवं 2 की आरसीसी संरचना का सुद्दीकरण और विशेष मरम्मत कार्य" हेतु ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** (ई-निविदा हेतु), **www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/10025 RVUN/PR-4457 मुख्य अभियन्ता (Civil)

कार्यालय नगर परिषद, फलोदी जिला-फलौदी (राज0)
क्रमांक/न0प0फ0/2026-27/3599 दिनांक :- 10.08.2026

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर परिषद फलोदी द्वारा परिषद क्षेत्र में 3 कार्य हेतु सक्षम एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 21.08.2026 को 12:00PM बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, निविदा की विस्तृत जानकारी व वेब साईट https://eproc.rajasthan.gov.in, व https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

Tender ID :- 2026_DLB_585555_1, 2026_DLB_585555_2, 2026_DLB_585555_3
UBN No. :- DLB2627WSOB17716, DLB2627WSOB17726, DLB2627WSOB17734

राज.संवाद/सी/26/10092 आयुक्त, नगर परिषद,फलोदी

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2026/5556 दिनांक :- 10.08.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 18.08.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक **(DLB2627WSOB17920), (DLB2627WSOB17923), (DLB2627WSOB17925), (DLB2627WSOB17928), (DLB2627WSOB17930)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/10123 नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2026/5546 दिनांक :- 10.08.2026

:-ई-निविदा सूचना-2026-27:-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 18.08.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक **(DLB2627WSOB17892)** है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/10122 नगर परिषद, सुजानगढ

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/12113 - 26 दिनांक :- 13/08/2026

ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 43/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में ए एवं एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur** एवं **http://sppp.raj.nic.in** portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.raj.nic.in** portal का अवलोकन करें।

UBN No. : WAQ2627WLRC00114

अधिशाषी अभियंता
राज.संवाद/सी/26/10042 भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
उत्पादन वृत्त, राजभवन मार्ग, कोटा-324001, फोन: 0744-2327613

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यो / सामग्री की आपूर्ति / वार्षिक अनुबंध हेतु ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-16 (RVU2627WSOB01094) संचालन एवं शिफ्ट अनुरक्षण में सहायता तथा अधीक्षण अभियंता, जनरेशन सर्किल, कोटा एवं डिविजन कार्यालय जवाहर सागर में दैनिक कार्य, 17(RVU2627WSOB01095) हाउसकीपिंग एवं खानपान व्यवस्था तथा दैनिक सफाई, 18 (RVU2627WSOB01096) जनरेटरों, पावर ट्रांसफॉर्मरों एवं संबंधित उपकरणों के वार्षिक/आकस्मिक / निवारक / नियमित अनुरक्षण कार्य, 19(RVU2627WSOB01099) स्विचयार्ड एवं उससे संबंधित उपकरणों के नियमित / आकस्मिक / वार्षिक अनुरक्षण एवं ब्रेकडाउन कार्य, 20 (RVU2627WSOB01101) टर्बाइनों एवं उनसे संबंधित उपकरणों / सहायक प्रणालियों तथा गैन्ट्री/ई.ओ.टी. क्रेनों के नियमित/निवारक / आकस्मिक खराबी एवं वार्षिक रखरखाव, 22(RVU2627WSOB01102) जनरेटरों, ट्रांसफॉर्मरों, स्विचयार्ड एवं उनसे संबंधित सहायक प्रणालियों के नियमित / निवारक /आकस्मिक खराबी एवं वार्षिक रखरखाव कार्यों, प्रकाश व्यवस्था तथा विविध कार्य, 02(RVU2627WSOB01097) सिविल, सैनिटरी एवं स्टील जॉइनरी कार्य एवं 21(RVU2627WSOB01092) डीसी बैटरी बैंक की स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग तथा विभिन्न विद्युत उपकरण की आपूर्ति। निविदा विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/10021 RVUN/PR-4453 अधीक्षण अभियंता (उत्पादन वृत्त)

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या-12 और 13 (2026-27)

केंद्र / राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य व अनुभवी निविदाकारो से अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या-12 (2026-27) के क्र.सं. 01 से 02 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 03 से 06 अधिशाषी अभियन्ता द्वितीय (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 07 से 09 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि० लि० हनुमानगढ व क्र.सं. 10 से 11 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि० लि० रतनगढ के अन्तर्गत कार्यों हेतु प्रोक्यूरमेंट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। एवमं ई निविदा सूचना संख्या-13 (2026-27) के क्र.सं. 01 अधिशाषी अभियन्ता प्रथम (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर व क्र.सं. 02 अधिशाषी अभियन्ता - द्वितीय (सिविल), रा०रा०वि० प्रसा०नि०लि० बीकानेर के अन्तर्गत कार्यों हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा 'शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in. &www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।

UBN : VPN2627WSOB01224,1225,1211, 1213, 1215,1216,1217,1218,1221,1214,1212 (NIT No.12)

UBN : VPN2627WSOB01222,1219 (NIT No.13)

अधीक्षण अभियन्ता (सिविल), बीकानेर
राज.संवाद/सी/26/10011 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7751/2026

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
सांगलपुरा, जयपुर रोड, बीकानेर - 334001 दूरभाष : 0151-2226200

अल्पकालिक ई - निविदा सूचना

"132 केवी जी.एस.एस. डल्लूसर से भोजूसर, नैणासर-सुमेरिया, सावर एवं तोलासर-रोलासर फीडरों द्वारा क्रमशः 33/11 केवी S/S गोगाणी जोहड़ी, नैणासर-सुमेरिया, सावर तथा तोलासर-रोलासर के इंटरकनेक्शन (I/C) हेतु एस.टी.पी. (STP) योजना के अंतर्गत A.C.S.R. (Dog) कंडक्टर सहित 33 केवी ओवरहेड सिंगल सर्किट लाइन (लंबाई क्रमशः 16.00 कि.मी. + 0.27 कि.मी. + 0.25 कि.मी. + 3.50 कि.मी. = कुल 20.02 Kms.) के निर्माण कार्य को श्रम दर (Labour Rate Basis) पर निष्पादित किए जाने हेतु सहायक अभियंता (ओ एंड एम), भानीपुरा उपखण्ड, जोधपुर डिस्कॉम, चूरू वृत्त द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।"

TN-BZ-05/2026-27(UBN No. JVV2627WSOB00371)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती हैं। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाइन **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्यन्न कर ले। भविष्य में इन् निविदाओं से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाइट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

मुख्य अभियंता (बी.सं.) जोधपुर डिस्कॉम बीकानेर
राज.संवाद/सी/26/10030

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग भरतपुर 321 001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9983296632

क्रमांक/M&H/2026-27/953 दिनांक : 13.08.2026

निविदा सूचना संख्याः 16/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर / डीग / करौली में रू. 135.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।

	अनुमानित लागत (रू.लाखों में)	UBN No.
NIB Code- MHS2627A2533		
Construction work of PHC Building Bookna Distt Karauli	135.00	UBN is: MHS2627WSOB03518

(संदीप वर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/14940/2026

परिवार की मौजूदगी में घर से 13 लाख का सोना और नगदी चोरी

चोरों ने परिवार वालों को कमरे में बंद कर लॉक लगा दिया और सीसीटीवी कैमरे बंद कर वारदात अंजाम दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के बीजेएस कॉलोनी, हनुवंत ए सेक्टर में 14 अगस्त की आधी रात में चोरी हो गई। चोरों ने परिवार के लोगों को कमरे बंद कर बाहर से लॉक लगा दिया और सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर डाले। बाद में घर से 12 लाख का सोना, एक लाख की नगदी आदि सामान चोरी कर ले गए। इस बारे में सूचना दिए जाने पर महामंदिर पुलिस ने मौके पर पहुंच मुआयना किया। अब रास्तों पर लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश की जा रही है।

- **पीड़ित ने अपने पूर्व नौकर बबलू, निवासी लखनऊ, पर शक जताया, एफआईआर में पुलिस ने उसे संदिग्ध के रूप में दर्ज किया**

बीजेएस कॉलोनी, मटकी चौराहा निवासी अक्षय ज्योत रतनू पुत्र भंवरदान रतनू ने रिपोर्ट दी है। इसके अनुसार 14 अगस्त की रात को परिवार के सो जाने के बाद तीन अज्ञात व्यक्ति छत के रास्ते मकान में दाखिल हुए। बदमाशों ने उनके माता-पिता के कमरे से टेबल पर रखे सोने के आभूषण चुरा लिए। इनमें सोने की चेन, अंगूठी, मूर्ति और हाथों के कड़े सहित करीब 7-8 तोला सोना था। इसके अलावा करीब एक लाख रुपए नकद भी ले गए।

चोरों ने परिवादी अक्षय ज्योत और उनकी भाभी के कमरों को बाहर से लॉक कर दिया। घर में सामान अस्त-व्यस्त करने के साथ नौकर के ईयरफोन और 300 रुपए भी चोरी किए। शिकायत में बताया गया कि बदमाशों ने घर के सभी सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए थे।

घटना के बाद अभय कमांड सेंटर में रूट के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। इसमें एक आई-20 कार के बी रोड पर गली नंबर 3 के पास रुकने और उसमें से तीन लोगों के उतरने की जानकारी सामने आई है। अक्षय ने अपने पूर्व नौकर बबलू, निवासी लखनऊ, पर शक जताया है। हालांकि एफआईआर में पुलिस ने उसे संदिग्ध के रूप में दर्ज किया है, उसकी संलिप्तता की पुष्टि जांच के बाद ही होगी।

आकाश कोचिंग ने सबसे बड़ा टैलेंट हंट "एग्जाम एंथे" लॉन्च किया

कोटा, (निसं)। आकाश कोचिंग ने सबसे बड़ा टैलेंट हंट एग्जाम एंथे (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम) लॉन्च किया है। भारत की सबसे लंबे समय से आयोजित की जा रही इस टैलेंट आइडेंटिफिकेशन परीक्षा ने पिछले 16 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की है। यह परीक्षा वैज्ञानिक मूल्यांकन, राष्ट्रीय स्तर की बेंचमार्किंग और पर्सनलाइज्ड अकादमिक इनसाइट्स के माध्यम से छात्रों को यह समझने में मदद करती है कि उन्हें किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है और आगे क्या करना है। छात्रों की योग्यता और प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप और 2.5 करोड़ रुपए के कैश प्राइज दिए जाएंगे।

- **भारत की सबसे लंबे समय से आयोजित की जा रही इस टैलेंट आइडेंटिफिकेशन परीक्षा ने 16 वर्षों में 1 करोड़ से अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की है**

कोटा में आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम के पोस्टर का विमोचन किया गया।

आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (एंथे) पिछले 16 वर्षों से तैयारी और छात्रों की सेल्फ-अवेयरनेस के बीच इसी गैप को दूर करने की दिशा में काम कर रहा है। इस शुरुआती आकलन का महत्व उन छात्रों की सफलता की यात्राओं से भी स्पष्ट होता है, जिन्होंने आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन किया। नीट 2026 में टॉप 100 में रैंक हासिल करने वाले आकाश के 41 छात्रों में से 31 छात्र पहले एंथे में क्वालीफाई कर चुके थे। इसी तरह जेईई एडवांस 2026 के टॉप 100 में जगह बनाने वाले 11 छात्रों में से 7 छात्र एंथे से जुड़े रहे हैं। ये उपलब्धियां बताती हैं कि छात्र की शुरुआती पहचान, व्यवस्थित अकादमिक तैयारी और लगातार मार्गदर्शन उसकी प्रतियोगी परीक्षा की पूरी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एंथे के महत्व पर बात करते हुए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के एमडी एवं सीईओ चंद्र शेखर गरिसा रेड्डी ने कहा कि हमारे लिए एंथे कभी भी सिर्फ ऐसी परीक्षा नहीं रही है, जो किसी छात्र की स्कॉलरशिप तय करती हो। इसका बड़ा उद्देश्य छात्रों को अपनी अकादमिक क्षमता को समझने में मदद करना है, खासकर उस स्तर पर जब सही मार्गदर्शन उनके भविष्य में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। हमारा प्रयास है कि हर छात्र एंथे के बाद अपनी अकादमिक यात्रा को लेकर ज्यादा स्पष्टता और आगे बढ़ने के लिए बेहतर समझ के साथ आगे बढ़े। एंथे में शामिल होने वाले हर छात्र को एक विस्तृत 'एंथे इंटेलिजेंस रिपोर्ट' दी जाती है, जिसे परीक्षा के प्रदर्शन को उपयोगी और व्यावहारिक अकादमिक इनसाइट्स में बदलने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह रिपोर्ट छात्रों को विषयवार अपनी मजबूतियों और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करती है, जिन पर उन्हें अधिक ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही, यह उन्हें यह समझने का नजरिया भी देती है कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए कितने तैयार हैं। यह परीक्षा कक्षा से तक के छात्रों के लिए खुली है और ऑनलाइन व ऑफलाइन, दोनों माध्यमों में आयोजित की जाएगी। एंथे 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन अब शुरू हो चुके हैं और छात्र आधिकारिक एंथे पोर्टल तथा देशभर में मौजूद आकाश सेंटर के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन परीक्षा 27 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित होगी, जबकि ऑफलाइन परीक्षा 11 अक्टूबर, 25 अक्टूबर और 1 नवंबर 2026 को आयोजित की जाएगी।

तेज रफ्तार गाड़ी ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड क्षेत्र में स्टेट हाइवे-13 पर नानूवाली बावड़ी के पास देर रात तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद टक्कर मारने वाली सफेद रंग की गाड़ी मौके से फरार हो गई। गंभीर घायल को खेतड़ी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया है।

- **दूसरा युवक गंभीर घायल, हालत गंभीर होने पर जयपुर रैफर किया**
- **मंदिर में जागरण कार्यक्रम में जा रहे थे, हादसे के बाद वाहन चालक फरार**

जानकारी के अनुसार चावड़ा की ढाणी निवासी कृष्ण कुमार (25) पुत्र जगदीश और अधाणा की ढाणी निवासी देवराज (35) पुत्र रामोतार अपने साथियों के साथ नानूवाली बावड़ी स्कूल परिसर स्थित शिव मंदिर में जागरण कार्यक्रम का आयोजन कर रहे थे। रविवार रात करीब 11 बजे दोनों बाइक से अपने घर परिवार के सदस्यों को लेने के लिए रवाना हुए थे। दोनों जब ढाणी भरगड़ान के पास स्टेट हाइवे-13 पर पहुंचे, तभी पीछे से तेज गति से आई सफेद रंग की गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक सवार कृष्ण कुमार और देवराज सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा देखकर मौके पर पहुंचे राहगीरों ने दोनों घायलों को तत्काल राजकीय उप जिला अस्पताल, खेतड़ी पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं देवराज की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे जयपुर रैफर कर दिया गया।

ग्रामीणों के अनुसार कृष्ण कुमार और देवराज अपने साथियों के साथ ग्रामीणों के सहयोग से पिछले करीब तीन वर्षों से शिव मंदिर में जागरण कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे थे। दोनों युवकों के साथ हुए हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक कृष्ण कुमार विवाहित था और उसका करीब एक साल का बेटा है। वह जयपुर में मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। कृष्ण कुमार के बड़े भाई सुनील और पिता जगदीश भी मजदूरी करते हैं। वहीं घायल देवराज अविवाहित है और निजामपुर मोड़ पर वेल्डिंग का काम करता है। हादसे की सूचना मिलते ही खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने दुर्घटना से संबंधित जानकारी जुटाई। टक्कर मारने वाली गाड़ी मौके से फरार हो जाने के कारण पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। एएसआई विजय कुमार ने बताया कि हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

दुष्कर्मी को 20 साल की सजा

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के साढ़े तीन साल से अधिक पुराने मामले में पॉस्को क्रम-5 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 20 साल की सजा सुनाई, साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक महेश चांदवानी ने बताया कि 4 अक्टूबर 2022 को पीड़िता के पिता ने ग्रामीण के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट में कहा कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी घर से जेरोक्स कराने की कहकर निकली थी और घर नहीं लौटी। उसको काफी तलाश किया गया।

बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती करवड़ क्षेत्र में आई जेडीए कॉलोनी में भरे बारिश के पानी में बने गड्ढे में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। रविवार को बच्चे खेलते समय पानी तक पहुंच गए, बाद में आठ-दस फीट बने गड्ढे तक उतर गए और दलदल में फंसने से उनकी मौत हो गई। बच्चे समय पर घर नहीं पहुंचे तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने अपने स्तर पर बच्चों को इधर-उधर ढूंढा, मगर वे नहीं मिले। रातभर बच्चों की तलाश की गई। सोमवार सुबह उनके शव पानी में ऊपर आने पर दिखे। दोपहर में पुलिस ने कार्रवाई की और पोस्टमार्टम करवा शव परिजन को सुपुर्द किए।

- **दोनों बच्चे रविवार को घर से क्रिकेट खेलने को निकले थे, दूसरे दिन शव मिले**
- **चिकनी मिट्टी होने के कारण प्रारंभिक तौर पर पैर फिसलने से पानी में गिरने की आशंका जताई**

करवड़ थाना अधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि मृतकों की पहचान विष्णु पटेल (13) पुत्र सोहनराम और नीतेश (11) पुत्र ओमाराम निवासी लोरड़ी पंडितजी के रूप में हुई है। दोनों रविवार को घर से क्रिकेट खेलने के लिए निकले थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। सोमवार सुबह दोनों के शव गांव के श्मशान के पास जेडीए की ओर से विकसित की जा रही कॉलोनी में भरे पानी में मिले। थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि चिकनी मिट्टी होने के कारण प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि पैर फिसलने से दोनों बच्चे पानी में गिर गए और डूब गए। पानी ऊपरी तौर पर साफ नजर आ रहा था, मगर कुछ ही दूरी पर बड़ा गड्ढा तकरीबन 8-10 फीट होगा, जिसमें गिर गए और दलदल में फंस गए। रात को उनकी तलाश की गई थी। आज सुबह शव पानी में ऊपर आ गए।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में रोष है। लोगों का आरोप है कि जेडीए की ओर से काटी गई कॉलोनी में बरसात का पानी जमा है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पानी निकासी और सुरक्षा के इंतजाम किए जाते तो इस तरह की दर्दनाक घटना को टाला जा सकता था। दोनों मृतक बच्चों के माता-पिता किसान हैं। हादसे की खबर से परिवारों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर छा गई। थानाधिकारी परमेश्वरी ने बताया कि शवों का दोपहर में पोस्टमार्टम करवाया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

सर्पदंश से एक युवक की मौत : करौली-हिंडौन सड़क मार्ग पर स्थित जुंगीनपुरा गांव निवासी कुमार गौरव (31) पुत्र हरदयाल गुर्जर कृषि कार्य कर रहा था। अकस्मात ही सर्प ने डस लिया। उपचार के लिए करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कार्यालय नगर निगम जोधपुर
पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर के अन्दर, गौरव पथ, जोधपुर
फोन संख्या :-0291-2651491 हेल्पलाईन :- 0291-2651473 e-mail: ceo_nnj@rediffmail.com

क्रमाकः-सं./एफ-15/कार्य/2026/RL-16906 दिनांकः- 11.08.2026

ई- निविदा सूचना क्रमांक RL-16900 दिनाक 11.08.2026
UBN No. DLB2627WSOB18178

जोधपुर नगर निगम द्वारा इच्छुक कार्यो के अनुभवी/योग्यताधारी, डिजिटल विधुत लाईसेन्सधारी संवेदको, नगर निगम में पंजीकृत नियमानुसार **E-EWSD** श्रेणी संवेदको, अन्य विभाग में पंजीकृत **E-EWSD-I** ऑन-लाईन "ई" टेण्डर प्रकिया से निगम शर्तो के अधीन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के कार्यो, योग्यता, शर्तो की समस्त जानकारी वेबसाईट पर eproc.rajasthan.gov.in अथवा sppp.rajasthan.gov.in अथवा https://lsg.rajasthan.gov.in/nnjodhpur पर देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
राज.संवाद/सी/26/10098 नगर निगम जोधपुर

कार्यालय नगरपरिषद सलूम्बर जिला-सलूम्बर (राज0)
क्रमांकः-न.प.स./निर्माण/2026-27/2159-2163 दिनांक :- 11.08.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना 08 वर्ष 2026-27

नगरपरिषद सलूम्बर द्वारा उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में **E-Procurement** प्रकिया से www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र, निविदा शर्तो व अन्य विस्तृत जानकारी इंटरनेट वेबसाईट www.sppp.rajathan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

कुल निविदा के कार्य	:	02 कार्य
निविदा की कुल लागत	:	रू 70.00 लाख
कुल धरोहर राशि	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फार्म प्राप्त करने व जमा करवाने की दिनांक	:	12/08/2026 प्रातः 12.00 बजे से 20/08/2026 सांय : 06.00 बजे तक
निविदा शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा कराने की अवधि	:	12/08/2026 प्रातः 12.00 बजे से 20/08/2026 सांय : 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	:	21/08/2026 दोपहर 12:00 बजे
NIB Code :- DLB2627A7093		
UBN Code :- DLB2627WSOB18218		UBN Code :- DLB2627WSOB18219

राज.संवाद/सी/26/10090 आयुक्त, नगर परिषद सलूम्बर

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर
क्रमांक/ चुनाव / लेखा/2026/497 **शुद्धि पत्र** दिनांकः 14.08.2026

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर), जालोर द्वारा आगामी पंचायतीराज एवं नगरीय निकाय चुनाव 2026 एवं अन्य चुनावों के लिए विभिन्न ई-निविदा एवं खुली निविदा आमंत्रित की गई थी अपरिहार्य कारणों से निम्नानुसार निविदा में आंशिक संशोधन किया जाता हैं

क्र. सं.	निविदा का विवरण	UBN No.	बिड प्रस्तुत करने की पूर्व अंतिम दिनांक	बिड प्रस्तुत करने की संशोधित अतिम तिथि
1.	STATIONARY AND POLL MATERIAL	CJL2627 GLRC00016	18.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
2	BALLOT PAPER AND OTHER PRINTING WORK	CJL2627 SLRC00017	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
3	ALPAHAR AND MEAL	CJL2627 SLRC00018	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
4	PIPE, TENT, PANDAL & FURNITURE	CJL2627 SLRC00019	14.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
5	PHOTOCOPY AND MAP PRINTING	CJL2627 SSRC00020	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
6	COMPUTER REGARDING ITEMS	CJL2627 SSRC00023	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
7	CCTV CAMERA WORK	CJL2627 SSRC00024	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
8	GPS/GSM SYSTEM	CJL2627 SSRC00025	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM
9	VIDEOGRAPHY/ PHOTOGRAPHY	CJL2627 SLRC00026	17.08.2026; 01.00 PM	21.08.2026; 01.00 PM
10	MACHINE WITH MAN	CJL2627 SSRC00030	18.08.2026; 01.00 PM	20.08.2026; 01.00 PM

DIPR/C/15046/2026 उप जिला निर्वाचन अधिकारी (अति. जिला कलक्टर) जालोर

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड
निविदा आमंत्रण सूचना

RVPN/Superintending Engineer (TBCB Cell)/ BN- TBCB-03 to TBCB-05

1) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले बबई में 765/400 केवी जीएसएस का निर्माण, जिसमें 2x1500 MVA, 765/400 kV ICT, 2x500 MVA, 400/220 kV ICT और संबंधित 02 संख्या में 765 kV Bay अलवर (रुंध गिदावरा) जीएसएस, 02 संख्या में 400 kV Bay बबई जीएसएस, 02 संख्या में 400 kV आमेर (जयपुर नॉर्थ) जीएसएस और 02 संख्या में 220 kV Bay बेरी भजनगढ़ जीएसएस पर शामिल हैं, जिसमें सभी उपकरणा/सामग्री की आपूर्ति, निर्माण (सिविल कार्यो सहित), परीक्षण और कमीशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल है, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-03 और UBN संख्या-VPN2627WSOB01238)

2) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले प्रस्तावित 765 केवी जीएसएस, बबई के लिए 765 केवी D/C बबई (765 केवी जीएसएस) - अलवर (रुध गिदावरा) लाइन (हेक्स जेबरा) (टावर डिजाइन बोलीदाता के कार्यक्षेत्र में) के निर्माण सर्वे, सभी उपकरणों, सामग्रियों की आपूर्ति, इरेक्शन (सिविल कार्यों सहित), टेस्टिंग और कमिशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल हैं, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-04 और UBN संख्या - VPN2627WSOB01241)

3) आरवीपीएन द्वारा M/S PFCCL (बीपीसी) को टीबीसीबी मार्ग के माध्यम से आरएफपी बोली प्रस्तुत करने से पहले प्रस्तावित 765 केवी जीएसएस, बबई के लिए विभिन्न ट्रांसमिशन तत्वों (02 संख्या 400 केवी D/C लाइन (01 क्वैड मूस. 01 ट्विन मूस) (टावर डिजाइन बोलीदाता के कार्यक्षेत्र में) और 02 संख्या 220 केवी D/C लाइन (टावर डिजाइन नियोक्ता के कार्यक्षेत्र में) के निर्माण सर्वे, सभी उपकरणों, सामग्रियों की आपूर्ति, इरेक्शन (सिविल कार्यों सहित). टेस्टिंग और कमिशनिंग टर्नकी आधार पर शामिल हैं, के लिए प्री-बिड टाई अप के लिए बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
(विनिर्देश संख्या RVPN/TBCB CELL/BN-TBCB-05 और UBN संख्या-VPN2627WSOB01245)

विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना एवं बोलीदाता के लिए निर्देश वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in और https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर देखने एवं डाउनलोड करने हेतु उपलब्ध हैं। इच्छुक बोलीदाता बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए अधीक्षण अभियंता, (TBCB Cell), कमरा संख्या No 414, विद्युत भवन RVPN, Jaipur के कार्यालय में बोलियां प्रस्तुत करेंगे। बिड जमा तिथि बढाने की सूचना. यदि कोई होगी तो. केवल https://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.rajasthan.gov.in की वेबसाईट पर ही उपलब्ध करायी जायेगी।

Superintending Engineer (TBCB Cell)
राज.संवाद/सी/26/10016 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7756/2026

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर
क्रमांक : एनएचएम-लेखा/2026-27/3502 दिनांक : 12/8/26

ई-निविदा सूचना -03-04/2026-27

इस कार्यालय के अधीन समय समय पर आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों में नाश्ता, भोजन एवं प्रशिक्षण हॉल व आवास की व्यवस्था के लिए पृथक-पृथक निविदाए राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग के समय-समय पर जारी परिपत्रों के प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार पंजीकृत फर्मो/निविदादाताओं से E-proc. पॉर्टल पर ई-निविदा आमंत्रित कि जाती हैं -

आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN: MHS2627A2449
UBN: MHS2627SLOB03417
NIB: MHS2627SLOB03416
NIB: MHS2627A2450

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर

राजस्थान सरकार
कार्यालय उप वन संरक्षक, सीकर (राजस्थान)
(सांवली रोड़, सीकर-332001, Ph. No. 01572-274094; email: dcf.sikar.forest@rajasthan.gov.in, dcfsikar@gmail.com)

क्रमांकःएफ () भण्डार/उवसंसी/2026-27/9970 **निविदा आमंत्रण सूचना** दिनांक : 10-8-26

राजकीय निर्माण विभागों में सिविल कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मो को सूचित किया जाता है कि इस वन मण्डल के अधीनस्थ रेंज श्रीमाधोपुर / पाटन / नीमकाथाना में निम्नानुसार कार्य करवाया जाना है। जिसके लिए शीलबन्द लिफाफों में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.08.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 18.08.2026 दोपहर 11.00 बजे तक कार्यालय उप वन संरक्षक, सीकर से क्रय किये जा सकते है, समस्त दस्तावेज दिनांक 18.08.2026 को दोपहर 1.00 बजे कार्यालय में जमा करवाने होंगे। प्राप्त निविदाएँ उसी दिन सांय 3.00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी।

क्र. सं.	निविदा संख्या	नाम कार्य	स्थान का नाम जहाँ कार्य करवाया जाना	अनुमानित लागत राशि (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा शुल्क (रूपये में)
1	43/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01934)	गजिबो हट निर्माण कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	4.99	10,000/-	500/-
2	44/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01935)	स्टोर रूम मरम्मत कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	3.92	7,900/-	500/-
3	45/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01937)	गार्ड चौकी एवं चार दीवारी पर रंग-रोगन का कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	2.49	5,000/-	500/-
4	46/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01938)	लोहे के साईन बोर्ड आपूर्ति एवं फिक्सिंग कार्य	बुद्धिगरी सिटी नेचर पार्क, फतेहपुर	1.99	4,000/-	500/-
5	47/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01940)	वॉटर हॉल निर्माण कार्य	शाकम्भरी कन्जर्वेशन रिजर्व, रैंज सीकर	1.98	4,000 /-	500/-
6	48/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01942)	वॉच टॉवर मरम्मत कार्य	ईकोलॉजी पार्क एवं पक्षी विहार, बीड़ नानी	3.96	8,000 /-	500/-
7	49/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01944)	वॉटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य	बगड़ियों की ढ्राणी रेंज सीकर	4.99	10,000/-	500/-
8	50/2026-27 (UBN:- FOR2627WSOB01945)	अग्रिम मृदा कार्य (फेनिसंग, ट्रेंच, कैटलगार्ड हट, पिलर, गेट एवं साईनेज निर्माण कार्य)	रेंज नीमकाथाना के अधीन साईट Eco Restoration for woodland ecosystem Pithalpur 50 है.	2.14	4,300/-	500/-

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। निविदा के विस्तृत नियम शर्ते एवं माल / सेवा से संबंधित मात्रा / संख्या एवं विशिष्टयां आदि निविदा प्रपत्र में अंकित है।

DIPR/C/14636/2026 उप वन संरक्षक, सीकर

जिला कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण

ब्यावर (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सोनल पारीख, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला कारागृह ब्यावर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लीगल सर्विस क्लिनिक में बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता, निःशुल्क अपील, जमानत एवं उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी प्रदान की गई। बंदियों को पॉक्सो एक्ट, साइबर अपराध एवं अन्य विधिक प्रावधानों के संबंध में जागरूक किया गया। कारागृह में स्थित अस्पताल का निरीक्षण कर उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा एक 70 वर्षीय बंदी से उसके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ब्यावर से संपर्क करने हेतु अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान शौचालय एवं स्नानागार की साफ-सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित अधिकारी को तत्काल साफ-सफाई करवाकर स्वच्छता एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त कारागृह में बंदियों को उपलब्ध करवाए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। प्रातः नाश्ते में अंकुरित मूंग तथा दोपहर के भोजन में दाल, सब्जी एवं रोटी उपलब्ध कराई गई थी। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह में कुल 146 बंदी पाए गए।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी भागीदारी फर्म मैसर्स ए.पी.एम. ग्रेनाईट्स, रजिस्टर्ड कार्यालय खसरा संख्या 152/5, प्लाट नम्बर 27, ग्राम रहिमपुरा, तहसील किशनगढ़, जिला अजमेर, राज-305815. जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक RF/AJM/2021/74 दिनांक 06/01/2021 जिसका ĐAck.No.- RF/ACK/E/AJM/2023/627 दिनांक 06/10/2023 है जिसमें दो (2) साझेदार हैं 1. श्री प्रहलाद पुत्र श्री सुन्दर लाल, 2. श्री अशोक पुत्र श्री किशन। अब सभी साझेदार आपसी सर्वसम्मति से श्री मनीष टाक पुत्र श्री प्रेम चन्द टाक नये साझेदार के रूप में ग्रहण कर रहें है। उक्त परिवर्तन दिनांक 15/09/2023 से प्रभावी है। उक्त नये साझेदार के प्रवेश पर आम आदमी व वितीय संस्थान, बैंक या अन्य संस्थान को किसी भी तरह की कोई आपति हो तो सुचना के प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्म कार्यालय अजमेर में सूचित करें अन्यथा बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं होगी।

– सुचितकर्ता अशोक (साझेदार)

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि संजू कुमारी उम्र 31 साल पुत्री स्व. श्री सोहनलाल एवं यश कुमार उम्र 10 साल पुत्र स्व. श्री सोहनलाल जाति भाण्ड जो कि मेरी अभिभाष्या श्रीमति सुवा देवी पत्नि स्व. श्री सोहनलाल जी भाण्ड निवासी स्कूल वाला बाडिया, जैतपुरा तहसील रायपुर हाल जमालपुरा, गली नंबर 8, ब्यावर के कानूनी वारिसान एवं उत्तराधिकारी है तथा उनके अतिरिक्त मेरी अभिभाष्या के अन्य कोई कानूनी वारिस या उत्तराधिकारी नही है। अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि कोई भी व्यक्ति स्व. श्री सोहनलाल का अपने आपको वारिस बतलाते हुए कोई व्यवहार करता है अथवा किसी सरकारी या अर्धसरकारी विभाग, न्यायालय, पंच पंचायत, समाज में अथवा अन्यत्र कहीं पर भी कोई गलत सूचना देकर कोई कार्यवाही करता है तो वह स्वयं अपनी जोखित एवं जिम्मेदारी पर करेगा तथा उससे मेरी अभिभाष्या एवं उसके परिवारजन कत्तई भी पाबंद नहीं है, ना होंगे। – संदीप कुमार, एडवोकेट ब्यावर, मो. 9413059289.

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पुनीत मिश्रा पुत्र विष्णु कुमार मिश्रा, अजमेर राजस्व ग्राम कायड़ के खसरा संख्या 4368 नया व 3097 पुराना प्लाट नंबर 38 क्षेत्रफल 167.22 वर्गमीटर के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवही कर दी जायेगी।

– उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री तरूण मिश्रा पुत्र पवन कुमार मिश्रा एवं विनीत मिश्रा पुत्र विष्णु कुमार मिश्रा निवासी 1940 न्यू कायस्थ कॉलोनी गली नंबर 3 लोहागल रोड, अजमेर राजस्व ग्राम कायड़ के खसरा संख्या 4368 नया व 3097 पुराना प्लाट नं. 39 क्षेत्रफल 203.45 वर्गमीटर के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवही कर दी जायेगी।

– उपायुक्त अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

NAME CHANGE

I, Army No. 14662631Y, Hav, Karan Singh Resident of Vill & Po: Thirpali Bari, Teh:- Rajgarh, Distt: Churu, State: Rajasthan, PIN: 331305 have changed my Daughter's name from Shakshi to Sakshi vide affidavit no. CH 897442 date 17/08/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I, Chandra Devi Mother of Army No. 14662631Y, Hav, Karan Singh Resident of Vill & Po: Thirpali Bari, Teh:- Rajgarh, Distt: Churu, State: Rajasthan, PIN: 331305 have changed my name from Chandra Devi to Chandar Pati vide affidavit no. CH 897443 date 17/08/2026 at court campus Nasirabad

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें व वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की जे.पी. नगर मदार योजना के आवासीय/आवासगृह नं. 239 ईडब्ल्यूएस क्षेत्रफल 45 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति राजेश कलवानी पुत्र मोहनदास कलवानी निवासी 323 जे पी नगर मदार अजमेर की मृत्यु दिनांक 9.12.21 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा पंजीकृत/दिनांक 19.6.15 सलंग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु श्रीमती गोपी एम कलवानी पत्नि स्व. मोहनदास कलवानी निवासी 323 जे पी नगर मदार अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदक के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 885 जाहिर आम सूचना दिनांक - 14/8/2026

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 5/2, नसीराबाद क्षेत्रफल 72.00 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री रमेश चन्द्र शर्मा पुत्र हरीराम शर्मा को आवंटित कर दिनांक 23.09.2014 को आवास का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री रमेश चन्द्र शर्मा की मृत्यु दिनांक 20.04.2022 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री योगेन्द्र कुमार दीक्षित पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री योगेन्द्र कुमार दीक्षित के पक्ष श्रीमती अंगूरी देवी पत्नि स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा, श्रीमती आशा शर्मा पुत्री स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा पत्नि श्री राकेश शर्मा, श्रीमती ओमवती दीक्षित पुत्री स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा पत्नि श्री विजयकृष्ण तैंनगोर, श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द शर्मा, श्री देवेन्द्र कुमार दीक्षित पुत्र स्व. श्री रमेश चन्द्र शर्मा द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री योगेन्द्र कुमार दीक्षित पुत्र स्व श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री योगेन्द्र कुमार दीक्षित पुत्र स्व श्री रमेश चन्द्र शर्मा का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान अवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भक्त चरण बिस्वाल पुत्र श्री पदम लोचन बिस्वाल ने ग्राम दौराई के खसरा नम्बर 1619, 1621 भूखण्ड संख्या 21 में क्षेत्रफल 129.67 वर्गमीटर के भूखण्ड की लीज डीड हेतु आवेदन किया है। इस आम सूचना के प्रकाशन द्वारा उक्त भूखण्ड की लीज डीड श्री भक्त चरण बिस्वाल पुत्र श्री पदम लोचन बिस्वाल के पक्ष में जारी करने पर आपत्ति आमंत्रित की जाती है। भूखण्ड का विवरण निम्न प्रकार है-

सीमाऐं	नाप
उत्तर- जसराम चौधरी की सम्पत्ति	23'6 फीट
दक्षिण- 20'0 फुट चौड़ा आम रास्ता	23'6 फीट
पूर्व- भूखण्ड संख्या 22	60'0 फीट
पश्चिम- भू.सं. 21 का शेष भाग पन्नाराम का	58'9 फीट

किसी भी व्यक्ति/संस्था/कंपनी को उक्त लीज डीड करने पर आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि के भीतर अजमेर विकास प्राधिकरण के उपायुक्त जोन (दक्षिण) के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा प्रकरण में नियमानुसार आगामी कार्यवाही संपादित की जाएगी। - उपायुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मैसर्स वेलग्रेड चौधरी मारबल वर्क्स मकराना

(पंजीबद्ध भागीदारी फर्म) आम सूचना (पंजीयन संख्या 17/20/2003/22)

-आम सूचना अन्तर्गत धारा 72 भारतीय भागीदारी अधि.-

हर आम एवं खास को सुचित किया जाता है कि पंजीबद्ध भागीदारी फर्म मैसर्स वेलग्रेड चौधरी मारबल वर्क्स मकराना (जो कि रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस नागौर के कार्यालय मे पंजीयन संख्या 17/20/2003/22 पर पंजीबद्ध है जिसमें भागीदारी विलेख दिनांक 07/10/2009 के अनुसार कुल 7 भागीदार 1. अब्दुल गफार पुत्र अब्दुल गनी 2. मुखतार अहमद पुत्र अल्लाहनूर 3. मोहम्मद इमरान पुत्र अल्लाहनूर 4. इरफान पुत्र अल्लाहनूर 5. कालु पुत्र अल्लाहनूर 6. आबिद हुसैन पुत्र अल्लाहनूर 7. जाकिर पुत्र अल्लाहनूर थे। उपरोक्त सातों में से भागीदार मुखतयार अहमद की मृत्यु दिनांक 03/12/2017 को हो गई है तथा उनकी मृत्यु के पश्चात उनके विधिक वारिसान की सहमति से उनकी पत्नि शकीला को बतौर नया भागीदार इस भागीदारी फर्म में सम्मिलित किया गया है तथा इसी प्रकार भागीदार अब्दुल गफार की मृत्यु दिनांक 16/05/2024 को हो चुकी है उनकी मृत्यु के पश्चात उनके विधिक वारिसान की सहमति से मृतक भागीदार अब्दुल गफार के चारो पुत्रों अब्दुल सलाम, अब्दुल कलाम, मोहम्मद इकबाल व सोयब को इस भागीदारी फर्म में बतौर नये भागीदार के रूप मे सम्मिलित किया गया है जिसके फलस्वरूप भागीदारी विलेख दिनांक 07/10/2009 में संशोधन करते हुए यह संशोधित भागीदारी डीड गठित कर संशोधित भागीदारी विलेख दिनांक 12/08/2026 को निष्पादित कर ली गई है। इस सम्बंध में किसी व्यक्ति या संस्था कों किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/एतराज हो तो अपनी आपत्ति / एतराज 07 दिवस में रजिस्ट्रार ऑफ फर्मस डीडवाना कुचामन के कार्यालय में प्रस्तुत करें।

दिनांक - 12.08.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत हुरड़ा, पंचायत समिति हुरड़ा, जिला-भीलवाड़ा

क्रमांक: एसपी 01 निविदा सूचना 2026-27 दिनांक: 15/08/26

ग्राम पंचायत हुरड़ा की ओर से विभिन्न कार्यों हेतु ग्राम पंचायत की FFC/SFC के उपयुक्त श्रेणी में विभिन्न राजकीय एवं मान्यता प्राप्त पंजिकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित विकास कार्यों की मोहर बन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी सभी शर्तें कार्यालय समय में ग्राम पंचायत हुरड़ा, पंचायत समिति हुरड़ा में देखी जा सकती है।

UBN No .
ZBL2627WSRC01428
ZBL2627WSRC01429
ZBL2627WSRC01430
ZBL2627WSRC01431
ZBL2627WSRC01432
ZBL2627WSRC01433
ZBL2627WSRC01434
ZBL2627WSRC01435
ZBL2627WSRC01436
NIB No .
ZBL2627A07765

सरपंच, ग्राम पंचायत हुरड़ा, पं.स. हुरड़ा (भीलवाड़ा)

ग्राम विकास अधिकारी,ग्राम पंचायत हुरड़ा, पं.स. हुरड़ा (भीलवाड़ा)

11 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ की रैली, कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

■ वेतन-पेंशन बढ़ाने सहित ईएसआईसी, ईपीएफ, बोनस और संविदा कर्मचारियों से जुड़ी मांगें उठाईं; प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। भारतीय मजदूर संघ की ओर से सोमवार को श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर अजमेर में रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। संघ के आव्हान पर आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर से विभिन्न विभागों और श्रमिक संगठनों से जुड़े कर्मचारी एवं पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शन के बाद संघ की ओर से प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपकर श्रमिक हित में आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। भारतीय मजदूर संघ के संभाग संगठन मंत्री विनीत कुमार जैन ने बताया कि संघ के आव्हान पर देशभर में जिला मुख्यालयों पर श्रमिकों की मांगों को लेकर प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। इसी क्रम में अजमेर में भी बड़ी संख्या में श्रमिक और विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि एकत्रित हुए। रैली हाथीभाटा स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय से रवाना हुई।

रैली में शामिल श्रमिक विभिन्न मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए अग्रसेन चौराहा, जिला परिषद और रोडवेज बस स्टैंड होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां प्रदर्शन कर सरकार से श्रमिकों की लंबित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए उन्हें पूरा करने की मांग की गई। कलेक्ट्रेट पर आयोजित सभा को मुख्य वक्ता भोलानाथ आचार्य सहित भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में श्रमिकों के वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधानों में समयानुकूल बढ़ोतरी जरूरी है। श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए पर्याप्त आय और सामाजिक सुरक्षा मिलना आवश्यक है। संघ ने ईएसआईसी की वेतन सीमा को 21 हजार रुपए से बढ़ाकर 42 हजार रुपए करने की मांग की। इसके साथ ही न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपए प्रतिमाह करने तथा पेंशन पर महंगाई राहत लागू करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ईपीएफ के लिए वेतन सीमा 15 हजार रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए करने, बोनस की गणना के लिए अधिकतम वेतन सीमा 18 हजार रुपए निर्धारित करने तथा बोनस पात्रता की वेतन सीमा बढ़ाकर 42 हजार रुपए करने की मांग की गई। अंत में भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा और श्रमिक हित में मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

मातृशक्ति मानसून फेस्ट को लेकर विधायक भदेल ने प्रेस वार्ता की

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल ने सोमवार को होटल एम्बरडाइन में प्रेस वार्ता के माध्यम से आगामी रविवार को आयोजित होने वाले मातृशक्ति मानसून फेस्ट की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यह बहुप्रतीक्षित आयोजन 23 अगस्त 2026 रविवार को दोपहर 2 बजे से डीएवी कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम विशेष रूप से महिलाओं के लिए समर्पित है। इसमें उन्हें मनोरंजन, सहभागिता और सशक्तिकरण के अवसर एक साथ मिलेंगे। इस मानसून फेस्ट में लगभग 15 हजार महिलाओं के भाग लेने की संभावना है। विधायक भदेल ने कहा कि यह कार्यक्रम लगातार छठीं बार आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य आम महिलाओं को मंच उपलब्ध कराना है। यहां वे अपनी रचनात्मकता, प्रतिभा और सामाजिक सहभागिता को प्रस्तुत कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन उन महिलाओं के लिए भी अवसर बनते हैं, जो सामान्यतया सामाजिक आयोजनों में भाग नहीं ले पातीं। उनके मन में सदैव जुड़ाव और सहभागिता की इच्छा रहती है। कार्यक्रम की विशेषताओं की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इस फेस्ट में लहरिया फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। मिस लहरिया, मिस ट्रेडिशनल, मिस ब्राइडल, रिश्ते श्रेणी इस प्रकार फैशन-शो की चार प्रकार की श्रेणियों को विशेष रूप से शामिल किया गया है। यह शो पारिवारिक रिश्तों की सुंदरता को मंच पर लाने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति को भी सशक्त करेगा। साथ ही इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को उपयोगी एवं कीमती उपहारों से सम्मानित किया जावेगा। मिस लहरिया, मिस ट्रेडिशनल, मिस ब्राइडल में प्रत्येक विजेता को 43 इंच का एलईडी टी.वी. का उपहार दिया जाएगा।

लहरिया राउण्ड, ट्रेडिशनल राउण्ड व ब्राइडल राउण्ड में प्रथम पुरूस्कार वाशिंग मशीन, द्वितीय पुरूस्कार मिक्सर ग्राईंडर व तृतीय पुरूस्कार आकर्षक गिफ्ट हैम्पर रहेंगे। रिश्ते श्रेणी में चाहे वो माँ-बेटी, सास-बहु, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी राउण्ड में प्रथम पुरूस्कार वाशिंग मशीन व द्वितीय पुरूस्कार मिक्सर ग्राइंडर तृतीय पुरस्कार आकर्षक गिफ्ट हैम्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त लहरिया, ट्रेडिशनल, ब्राइडल, रिश्ते श्रेणी में 10-10 सांत्वना पुरस्कार दिये जायेंगे।

अजमेर में वार्ड आरक्षण की लॉटरी में हंगामा

■ कांग्रेस ने लगाया वीआईपी ट्रीटमेंट का आरोप

■ अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों में से एससी के 20, एसटी के 2 और ओबीसी के 16 वार्ड आरक्षित

अजमेर, (कासं)। अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों सहित जिले की आठ अन्य नगरीय निकायों के वार्डों के आरक्षण की लॉटरी सोमवार को जवाहर रंगमंच में निकाली गई। आरक्षण लॉटरी की प्रक्रिया की शुरुआत अजमेर नगर निगम से हुई। जिला कलेक्टर लोक बंधु ने लॉटरी से संबंधित प्रक्रिया और आरक्षण के नियमों की जानकारी दी। लॉटरी के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने विरोध करते हुए हंगामा किया और भाजपा को वीआईपी ट्रीटमेंट देने का आरोप लगाया। अजमेर नगर निगम के 80 वार्डों में अनुसूचित जाति के लिए 20 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। इनमें वार्ड संख्या 27, 48, 22, 26, 49, 53, 19, 23, 43, 46, 10, 50, 47, 44, 62, 25, 51, 45 और 9 शामिल हैं। इनमें से अनुसूचित जाति महिला के लिए वार्ड 25, 44, 10, 43, 62, 23 और 47 आरक्षित किए गए हैं।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए नगर निगम के वार्ड 61 और 54 आरक्षित किए गए हैं। इनमें वार्ड 54 अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित रखा गया है। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुल 16 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। इनमें वार्ड 80, 13, 17, 4, 31, 66, 6, 68, 35, 30, 29, 65, 37, 60, 71 और 63 शामिल हैं। ओबीसी महिला के लिए वार्ड 30, 60, 71, 4 और 80 आरक्षित किए गए हैं। महिला सामान्य वर्ग के लिए 14 वार्ड आरक्षित किए गए हैं। इनमें वार्ड 32, 69, 64, 59, 57, 72, 12, 11, 70, 74, 3, 16, 39 और 5 शामिल हैं। आरक्षण की प्रक्रिया के बीच कांग्रेस की ओर से विरोध जताया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि लॉटरी प्रक्रिया में भाजपा नेताओं को वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। इसको लेकर मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने की मांग करते हुए विरोध दर्ज कराया।

अजमेर नगर निगम के कुल 80 वार्डों में 20 वार्ड अनुसूचित जाति, 2 वार्ड अनुसूचित जनजाति और 16 वार्ड अन्य पिछड़ा वर्ग" के लिए आरक्षित किए गए हैं। वहीं महिलाओं के लिए आरक्षित वार्डों की कुल संख्या 27 बताई गई है। गौरतलब है कि अजमेर नगर निगम के महापौर पद के लिए आरक्षण की लॉटरी 13 अगस्त को ही निकाली जा चुकी है। इस बार अजमेर महापौर का पद महिला के लिए आरक्षित किया गया है। ऐसे में नगर निगम चुनाव के बाद किसी भी आरक्षित वर्ग की महिला अजमेर की महापौर बन सकेगी।

सम्मान मिला

अजमेर, (कासं)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल, चाचियावास की दिव्यांगजनों के लिए संचालित 'आरोग्य सारथी-थैरेपी ऑन व्हील्स' पहल को ग्राम पंचायत अजयसर द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से अजमेर जिले के 120 गांवों में दिव्यांगजनों को घर एवं समुदाय के निकट थैरेपी और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अजयसर पंचायत क्षेत्र में 30 दिव्यांगजनों को बस पास, 10 को रेल पास, 11 को पेंशन से जोड़ा गया तथा 5 दिव्यांगजनों के स्कूटी आवेदन भरवाए गए।

फॉलोअप शिविरों में आज यहां मिलेगी राहत

अजमेर,(कासं)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं स्थानीय स्तर पर समाधान और विभिन्न लोक-कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान करने के लिए ग्रामीण एवं शहरी शिविरों की निरन्तरता में फॉलोअप शिविरों का आयोजन मंगलवार 18 अगस्त को भी किया जाकर राहत प्रदान की जाएगी। जिला कलैक्टर लोक बन्धु ने बताया कि फॉलोअप कैम्पों के अन्तर्गत मंगलवार को उपखण्ड क्षेत्र अजमेर के हटूण्डी एवं सराधना, अरांई के कटसूरा, भिनाय के राममालिया, किशनगढ़ के टिकावडा, केकड़ी के कादेडा आदि स्थानों पर शिविरों का अयोजन होगा।

कार्यालय नगर पालिका जैतारण, जिला-ब्यावर (राज.)

क्रमांक :- न.पा.जै. / 26-27 / 2345 -:: आम नीलामी सूचना ::- दिनांक :- 13.08.2026

(NIB Code - DLB2627A7532)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका क्षेत्र के कारोलिया रोड स्थित सीवरेज परिशोधन से यन्त्र (STP) से निकलने वाले परिशोधित जल को अपने स्तर पर तैयार संसाधनों के माध्यय से पशुओं के लिए हरा चारा उत्पादन करने,वृक्ष लगाने, फलोरि कल्चर, सिचांई फेक्ट्री, उद्योग आदि अन्य अपेय, कार्यो हेतु उपयोग स्थल तक ले जाकर काम लेने अथवा इस हेतु विक्रय करने के लिये खुली बोली के द्वारा 1 वर्ष की अवधि के लिए नीलामी खुली बोली दिनांक 21.08.2026 अपरान्हः 03.00 बजे से सांय 5.30 बजे तक (नीलामी नही होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस तक लगातार) नगर पालिका जैतारण में लगाई जावेगी। इच्छुक व्यक्ति / संस्था / फर्म नगर पालिका कार्यालय में उपस्थित होकर बोली की शर्तो का कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में अवलोकन कर सकते है अथवा www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	STP साईट का विवरण	निलामी की न्यूनतम राशि	धरोहर राशि रूपये	प्रति आवेदन शुल्क व
1	कारोलिया गांव में निर्मित सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट से निकलने वाले परिशोधित जल निस्तारण का कार्य (नीलामी)	1,50,000 / -	21,000 / -	1000 / -

1. यह नीलामी अवधि 1 वर्ष के लिये होगी।
2. निलामी बोली जिस व्यक्ति की अधितम होगी उस व्यक्ति को निर्धारित सिक्योरीटी राशि नगद जमा करवाने अथवा अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका जैतारण के नाम से जारी डी.डी. / बैकर्स चैक जमा करवाना होगा।
3. जिस बोलीदाता के सबसे अधिक बोली होगी उसे 51000 / - रू की सिक्योरीटी राशि बोली स्वीकृति के 3 दिवस के भीतर-भीतर जमा करवानी होगी। अन्यथा समस्त जमा शुद्धा राशि जब्त कर ली जायेगी।
4. जिसकी बोली दर सबसे अधिक होगी उसकी धरोहर राशि एवं निकटतम बोलीदाता की भी धरोहर राशि जमा रखी जावेगी। शेष बोलीदाताओं को उसी समय राशि लौटा दी जावेगी। तथा आवेदन शुल्क किसी भी बोलीदाता का लौटाया नही जायेगा।

राज.संवाद / सी / 26 / 10133 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

'वंदे मातरम के अपमान पर कांग्रेस नेतृत्व सार्वजनिक रूप से माफी मांगे'

अजमेर, (कासं)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के संपूर्ण गायन के दौरान कांग्रेस नेतृत्व के कथित आचरण को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अरविंद शर्मा ने कड़ी आपत्ति जताई है। सामने आए वीडियो में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी द्वारा कथित रूप से 'स्टाप' कहे जाने को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यदि वीडियो का संदर्भ वास्तव में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन को रोकने से संबंधित है, तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और देश की राष्ट्रभावना से जुड़े गंभीर प्रश्न खड़े करता है। 'वंदे मातरम्' भारत की स्वतंत्रता चेतना, राष्ट्रभक्ति और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान प्रत्येक राजनीतिक दल और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी है। स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर इसके प्रति कथित असम्मान को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। कांग्रेस नेतृत्व को स्पष्ट करना चाहिए कि सोनिया गांधी द्वारा कथित रूप से 'एूदज' कहे जाने का वास्तविक संदर्भ क्या था और क्या वास्तव में 'वंदे मातरम्' के गायन को रोकने का प्रयास किया गया था? देशवासियों के सामने इस पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट करना कांग्रेस की जिम्मेदारी है। एक ओर कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और देश की आजादी की लड़ाई में अपनी भूमिका का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर यदि उसके वरिष्ठ नेता राष्ट्रगीत के गायन को रोकते हुए दिखाई देते हैं, तो यह गंभीर विरोधाभास है। राष्ट्रगीत के सम्मान को लेकर किसी भी प्रकार की अस्पष्टता देश की जनता के बीच स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करती है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा, 'राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का कथित अपमान करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का अपमान है। कांग्रेस नेतृत्व को इस पूरे घटनाक्रम पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और यदि राष्ट्रगीत के प्रति असम्मान की पुष्टि होती है, तो देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।' राष्ट्रभावना किसी राजनीतिक दल विशेष की नहीं, बल्कि पूरे देश की साझा भावना है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्रगीत और राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान देगी सरकार

अजमेर, (कासं)। किसानों को सब्जी उत्पादन में आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए सरकार ने नई पहल की हैं। मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर उप योजना राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत अब सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को सपोर्ट सिस्टम स्थापित करने पर सरकार की ओर से अनुदान दिया जा रहा हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आधुनिक एवं उन्नत तकनीक अपनाकर सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देना हैं। योजना के तहत सपोर्ट सिस्टम की इकाई लागत 20 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है। इस निर्धारित लागत पर किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान देय होगा।

ब्यावर में 42.600 किलो डोडा पोस्त जब्त

■ परिवहन में प्रयुक्त कार जब्त एवं 1 तस्कर गिरफ्तार

ब्यावर (निसं)। डॉ. रवि सभरवाल महानिरीक्षक अजमेर रेंज अजमेर, जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी सदर गजराज नि.पु. एंव अनिल पंवार आर.पी.एस. (प्रोबे.) मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अल्टो के 10 कार से 42.600 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त एवं परिवहन में प्रयुक्त कार को जब्त कर 1 तस्कर भजन लाल पुत्र रामस्वरूप सियाग, उम्र 24 साल निवासी गुडा बिश्नोईयान पुलिस थाना कुडी जिला जोधपुर आयुक्ताल्य को गिरफ्तार किया। 15 अगस्त को अनिल पंवार आर.पी.एस. (प्रोबे.) को विशेष सूत्रो से सूचना मिली कि एक सिल्वर रंग की अल्टो के 10 कार जो ब्यावर खास से रूपनगर की तरफ जा सकती है जिसमे भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त भरा हुआ है। जिस पर तुरन्त कार्यवाही करते हुए मय टीम द्वारा ब्यावर खास से रूपनगर की तरफ से आने वाली रोड पर रूपनगर के पास नाकाबन्दी शुरू की। ब्यावर खास की तरफ से एक सिल्वर रंग की कार आती नजर आई जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया तो कार चालक ने नाकाबन्दी तोड कर भगाने का प्रयास किया गया लेकिन पुलिस ने अपनी मुस्तैदी दिखाते हुए कार को बमुशिकल रोक लिया।

कार चालक व्यक्ति से कार को भगाने का प्रयास करने के बारे में पूछा गया उसके द्वारा घबराहट में कोई सन्तोषप्रद जवाब नही देने पर कार की तलाशी ली गई। कार में 3 प्लास्टिक के कट्टे मिले जिनको खोल कर देखा तो कट्टो के अन्दर डोडा पोस्त होना पाया गया। जिनका वजन 42.600 किलोग्राम पाया गया जिनको जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर परिवाहन में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया जाकर पुलिस टीम द्वारा आरोपी से गहनता से पूछताछ करते हुए अनुसंधान जारी है।

जब कोई खिलाड़ी एक फ्रेंचाइजी से दूसरी टीम में ट्रेड होता है, तो उसकी डील की रकम भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। इससे सभी फ्रेंचाइजियों को यह पता रहेगा कि टीमों ने तय सैलरी कैप का पालन किया है या नहीं।

- सुनील गावस्कर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल में खिलाड़ियों के ट्रेड को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि सऊदी प्रो लीग का यह सत्र संभवत: उनके पेशेवर करियर का आखिरी सत्र होगा। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी का सऊदी अरब के क्लब अल नासर के साथ अनुबंध अगले साल जून में समाप्त हो रहा है और उन्होंने वोग पत्रिका को बताया है कि एक और अनुबंध की संभावना नहीं है। रोनाल्डो ने कहा, ''शायद यह फुटबॉल में मेरा आखिरी साल है। मैं एक शानदार विरासत छोड़ना चाहता हूं।'' अपने करियर में अब तक 976 गोल करने वाले रोनाल्डो ने इसी महीने की शुरुआत में अपनी लंबे समय की साथी जॉर्जीना रोड्रिगेज से शादी की।

क्या आप जानते हैं ?... मैच रिकॉर्ड: ओलंपिक इतिहास में 142 मैचों में 87 जीत दर्ज की हैं।

हॉकी वर्ल्डकप में इंग्लैंड ने भारत को 4-2 से हराया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय टीम मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 4-2 से हार गई है। सोमवार को एम्सटेलवीन के वैगेनर स्टेडियम में भारत हाफ टाइम तक 2-1 से आगे था। लेकिन, दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने तीन गोल कर मैच पलट दिया। इस हार के साथ वर्ल्डकप में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का इंतजार 32 साल का हो गया। उसने आखिरी बार 1994 में इंग्लैंड को हराया था। इंडिया का अगला मैच 19 अगस्त को पाकिस्तान से होगा। भारत ने तेज शुरुआत की। उसे छठे मिनट में गोल का मौका मिला, लेकिन जरमनप्रीत सिंह का शॉर्ट गोल पोस्ट के बाहर चला गया। 14वें मिनट में निकोलस बंडुराक पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके इंग्लैंड को 1-0 से आगे कर दिया। उनका शॉर्ट इतना तेज था कि भारतीय गोलकीपर मोहित रिएक्ट तक नहीं कर सके।

अभिनव स्वामी इंडियन आर्मी (पिनाका) रेजिमेंट के आधिकारिक फुटबॉल कोच नियुक्त

जयपुर, 17 अगस्त। महिपाल स्वामी, सेक्रेटरी, यूनियन फुटबॉल क्लब जयपुर (ट्रस्ट) ने बताया कि अभिनव स्वामी को नसीराबाद, अजमेर में होने वाले इंडियन आर्मी टूर्नामेंट के लिए इंडियन आर्मी (पिनाका) रेजिमेंट का आधिकारिक फुटबॉल कोच नियुक्त किया गया है। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम 17 अगस्त 2026 से 22 अगस्त 2026 तक नसीराबाद, अजमेर में होने वाले फुटबॉल मैचों में हिस्सा लेने वाली है। अभिनव स्वामी उनके गाइडेंस, अनुभव और टेक्निकल एक्सपर्टीज़ से कॉम्पिटिशन के दौरान टीम को बहुत फायदा होगा।

जयपुर रॉयल क्रिकेट एकेडमी 145 रन से विजेता

जयपुर, 17 अगस्त। यति क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम अंडर -14 श्याम कप में खेले गये मैच मे जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी और अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 280/3 40.0 मे रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्षित सैनी ने 111 रन, जे आर विराट शर्मा ने 93 रन और यश मीना ने 25 रन बनाये। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन और से गेदबाजी करते हुए दिपेश कुशवाहा ने 30 रन देकर 1 विकेट, वंश प्रताप ने 80 रन देकर के 1 विकेट और प्रशांत परमार ने 69 रन देकर के 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन ने बल्लेबाजी करते हुए 135/10 30.1 ओवर मे आल आउट हो गई। अरावली क्रिकेट एकेडमी नेक्स्टजेन कि ओर से सूर्याशं ने 49 रन, दक्ष बचमी ने 33 रन बनाये। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए यश मीना ने 19 रन देकर के 3 विकेट, श्रेयांस सिंह ने 16 रन देकर के 2 विकेट लिया। जयपुर रोयल क्रिकेट एकेडमी 145 रन से विजेता हुई।

अंडर -16 टीम चयन ट्रायल मैं चयनित खिलाड़ियों का दो दिवसीय अभ्यास कैंप

दौसा, 17 अगस्त। जिला क्रिकेट संघ सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 16 प्रतियोगिता 05 सितंबर से आयोजित की जाएगी जिसके लिए जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 16.08.2026 रविवार को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर लिया गया। ट्रायल के लिए आए खिलाड़ियों की ट्रायल ली गई ट्रायल में लगभग 80 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया जिनमें से 56 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट करके अभ्यास कैंप के लिए बुलाया गया है। अभ्यास कैंप राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर मंगलवार एवं बुधवार को सुबह 7:30 बजे आयोजित किया जाएगा। फिटनेस कैंप मैं सफल खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट करके उनकी दो टीम बनाकर 2 से 3 अभ्यास मैच करवाए जाएंगे। सचिव बृज किशोर उपाध्याय द्वारा यह भी बताया गया कि पिछले दो टर्म से अंडर 16 टीम का प्रदर्शन काफी निराशा जनक रहा है इसलिए उनका पहले अभ्यास कैम्प के अंतर्गत खिलाड़ियों की फिटनेस और उनका यो यो टेस्ट लिया जाएगा और पूर्व खिलाड़ियों का पिछले 2 वर्षों का प्रदर्शन भी देखा जाएगा।

अंडर-16 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 19 एवं 20 अगस्त को

जयपुर, 17 अगस्त। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा जयपुर की अंडर - 16 चैलेंजर ट्रॉफी आयोजित करने के लिए चयन ट्रायल दिनांक 19 एवं 20 अगस्त को प्रात: 9 बजे के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित की जाएगी। चयन ट्रायल में केवल जयपुर के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं जिनका जन्म 1 सितंबर 2010 व 31 अगस्त 2012 के मध्य हुआ है। जो खिलाड़ी ट्रायल देना चाहते है उनको अपना रजिस्ट्रेशन के एल सैनी स्टेडियम पर दिनांक 18 अगस्त को प्रात: 10 बजे से 6 बजे तक कराना होगा।

खिलाड़ियों को रजिस्ट्रेशन के लिए निम्नलिखित दस्तावेज लाने होंगे।

1. कंप्यूटर से बना हुआ जन्म प्रमाण पत्र।
2. स्वयं का व माता - पिता का आधार कार्ड।
3. मूल निवास प्रमाण पत्र।
4. पिछले 3 वर्ष की मार्कशीट।

सोनल दिनुषा के शतक के बावजूद श्रीलंका 284 पर ढेर, भारत को 178 रन की बढ़त

गाले, 17 अगस्त। सोनल दिनुषा के शानदार शतक के बावजूद श्रीलंका भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 284 रन पर सिमट गया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे, जिससे उसे 178 रन की मजबूत बढ़त हासिल हुई।

दिनुषा ने संकट में फंसी श्रीलंकाई पारी को संभालते हुए निचले क्रम के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। उन्होंने निरोशन डिकवेला के साथ छठे विकेट के लिए 146 रन जोड़े। दिनुषा ने अपने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा किया और 100 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से मानव सुथार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 76 रन देकर चार विकेट लिए, जबकि रवींद्र जडेजा ने 57 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। जडेजा इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट पूरे करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए।

90 रन पर पांच विकेट, फिर डिकवेला-दिनुषा ने संभाला : श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 90 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद डिकवेला और दिनुषा ने मोर्चा संभाला। डिकवेला ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तेज अर्धशतक पूरा किया, जबकि दिनुषा ने धैर्य के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने मिलकर छठे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी पूरी की। यह भारत के खिलाफ श्रीलंका की पारी में शीर्ष पांच बल्लेबाजों के 100 रन से पहले आउट होने के बाद छठे विकेट के लिए दूसरी 100 से अधिक रन की साझेदारी रही। डिकवेला ने 80 रन बनाए, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर विकेट के पीछे कैच देकर उनकी पारी समाप्त हुई। इसके बाद जडेजा ने केशरा नुवान्था को आउट कर 350 टेस्ट विकेट का आंकड़ा पूरा किया। प्रभात जयसूर्या ने कुछ देर टिककर श्रीलंका को फॉलोऑन से बचाया और दिनुषा को अपना पहला टेस्ट शतक पूरा करने का मौका दिया। हालांकि, शतक पूरा होते ही भारत ने श्रीलंका की पारी समेट दी।

भारत की पारी 462 रन पर समाप्त : इससे पहले भारत ने दिन की शुरुआत 460/9 से की थी, लेकिन टीम केवल दो रन जोड़ सकी। असिथा फर्नांडो ने प्रसिद्ध कृष्णा को आउट कर भारतीय पारी 462 रन पर समाप्त की। श्रीलंका की पारी की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार ने शुरुआती झटके दिए। सुथार ने अपने पहले ही ओवर की पहली गेंद पर विकेट हासिल किया और बाद में शानदार एक हाथ के कैच की मदद से अपना दूसरा विकेट भी लिया।

रवींद्र जडेजा ने धनंजय डी सिल्वा को आउट कर अपना 349वां टेस्ट विकेट हासिल किया। इसके बाद दिनुषा और डिकवेला ने श्रीलंका को संकट से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन भारत ने अंततः पूरी टीम को 284 रन पर समेट दिया।

जडेजा 4,000 रन और 350 टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे ऑलराउंडर बने

गाले, 17 अगस्त। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। जडेजा टेस्ट क्रिकेट में 4,000 से अधिक रन और 350 विकेट हासिल करने वाले दुनिया के केवल चौथे ऑलराउंडर बन गए। जडेजा के अब 4095 रन हो गए हैं, और विकेट 350 हैं। श्रीलंका की पहली पारी में जडेजा ने धनंजय डी सिल्वा, सोनल दिनुशा और केशरा नुवान्था के विकेट हासिल किए। इससे उनके टेस्ट विकेटों की संख्या 350 पहुंच गई। जडेजा ने इससे पहले भारतीय पारी में 13 रन बनाए थे। जडेजा से पहले यह उपलब्धि भारत के कपिल देव, इंग्लैंड के इयान बॉथम और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी हासिल कर चुके हैं। इन चारों में जडेजा ऐसे एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 100 से कम टेस्ट मैचों में यह मुकाम हासिल किया है। कपिल देव इस सूची में सबसे आगे हैं। उन्होंने भारत के लिए 131 टेस्ट में 5,248 रन और 434 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के बॉथम ने 102 टेस्ट में 5,200 रन और 383 विकेट हासिल किए हैं। न्यूजीलैंड के विटोरी ने 113 टेस्ट में 4,530 रन और 362 विकेट अपने नाम किए हैं। जडेजा अब इस खास सूची में शामिल होने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए हैं।

पीवी सिंधु ने दर्ज की शानदार जीत, सीधे गेम में रेचल नोबल को हराया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने सोमवार को नई दिल्ली में शुरू हुई बीएफडब्ल्यू विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया। सिंधु ने महिला एकल के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में आयरलैंड की रेचल नोबल को सीधे गेम में 21-7, 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इंदिरा गांधी स्टेडियम में घरेलू दर्शकों के समर्थन के बीच सिंधु ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने पहले गेम में तेज शुरुआत करते हुए 11-3 की बढ़त हासिल की। अपनी तेज स्मैश और आक्रामक खेल से सिंधु ने नोबल को लगातार दबाव में रखा। सिंधु ने इसके बाद बढ़त को और मजबूत करते हुए स्कोर 17-4 कर दिया और महज 12 मिनट में पहला गेम 21-7 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में नोबल ने वापसी की कोशिश की और सिंधु को कुछ देर चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा। सिंधु ने रैलियों पर पकड़ बनाए रखते हुए लगातार अंक जुटाए और दूसरा गेम 21-11 से जीत लिया। इस तरह सिंधु ने मुकाबला सीधे गेम में अपने नाम किया और विश्व चैंपियनशिप के पहले ही दिन शानदार प्रदर्शन के साथ अगले दौर में जगह बनाई। घरेलू दर्शकों के सामने मिली इस जीत से सिंधु ने टूर्नामेंट में अपने इरादे भी स्पष्ट कर दिए हैं।

ट्रीसा-गायत्री और अर्जुन-हरिहरन भी दूसरे दौर में : भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी तथा एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन की पुरुष युगल जोड़ी ने सोमवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप-2026 के दूसरे दौर में जगह बना ली। ट्रीसा और गायत्री ने महिला युगल के राउंड ऑफ 64 मुकाबले में स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज को सीधे गेम में 21-9, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और दोनों गेम आसानी से अपने नाम किए। अब राउंड ऑफ 32 में 16वीं वरीय अमेरिकी जोड़ी लॉरेन लैम और एलिसन क्विन ली से ट्रीसा-गायत्री का सामना होगा। पुरुष युगल में 15वीं वरीयता प्राप्त एमआर अर्जुन और हरिहरन अम्साकरुणन ने भी अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी के खिलाफ आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स मुकाबला कर रहे थे, लेकिन आयरिश जोड़ी ने चोट के कारण मुकाबला बीच में छोड़ दिया।

महिला हॉकी विश्व कपः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगा भारत

एम्स्टेलवीन, 17 अगस्त। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज करने के इरादे से मंगलवार को पूल डी के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगी। मुकाबला एम्स्टेलवीन के वेगेनर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को कड़ी चुनौती देते हुए 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत की ओर से नवनीत कौर और दीपिका ने गोल किए। चीन ने दो बार वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर खत्म किया। चीन के खिलाफ प्रदर्शन से भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है, लेकिन अब टीम की नजर तीन अंक हासिल करने पर होगी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका को अपने पहले मुकाबले में इंग्लैंड के हाथों 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था और वह भारत के खिलाफ वापसी करना चाहेगा।

पूल डी में फिलहाल इंग्लैंड शीर्ष पर है, जबकि भारत और चीन एक-एक अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चारों पूल की शीर्ष दो टीमें अगले चरण में पहुंचेंगी और सेमीफाइनल की दौड़ में बनी रहेंगी। ऐसे में भारत के लिए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत बेहद महत्वपूर्ण होगी। हालांकि मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजन का कहना है कि टीम का ध्यान अंक तालिका के समीकरणों पर नहीं, बल्कि अपने प्रदर्शन पर है। उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, हम गणना या इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि कौन किसके खिलाफ जीत रहा है।

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने रचा इतिहास, पहली बार जीता द हंड्रेड का खिताब

लंदन, 17 अगस्त। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (पूर्व में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) ने आखिरकार अपने तीसरे प्रयास में खिताब जीत ही लिया। टिम सेफर्ट की तूफानी 72 रन की पारी के दम पर सुपर जायंट्स ने फाइनल में शीर्ष पर रहने वाली ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार पुरुष द हंड्रेड का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने फाइनल में मिली पिछली दो हार का हिसाब भी चुकता कर दिया। **नूर अहमद ने दिलाई रॉकेट्स को शुरुआती सफलता:** अफगानिस्तान के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने चार गेंद के भीतर दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मुकाबले का रुख बदल दिया। एनीयूरिन डोनाल्ड ने आते ही नूर पर हमला बोला और पहली छह गेंदों पर 17 रन ठोके, लेकिन वह 19 गेंदों पर 38 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद रॉकेट्स का स्कोर 97/5 हो गया।

एफआईएच विश्व कप में पुरुष-महिला टीमों की भागीदारी पर गर्व : पी.टी. उषा

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बेल्जियम और नीदरलैंड्स में 15 से 30 अगस्त तक हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप-2026 में भारतीय पुरुष और महिला टीमों की भागीदारी का स्वागत किया है। आईओए ने दोनों टीमों को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी।

आईओए ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत की मौजूदगी भारतीय हॉकी की मजबूती और लगातार हो रही प्रगति को दर्शाती है। भारत इस वर्ष एफआईएच हॉकी विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ भाग लेने वाला एकमात्र दक्षिण एशियाई देश है।

विश्व कप दोनों टीमों को दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने और अपने उच्च प्रदर्शन वाले खेल कार्यक्रम को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। इसके बाद भारतीय टीमों का लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और फिर लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारियों पर रहेगा।

उन्होंने कहा, दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ इस स्तर के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करना किसी भी खिलाड़ी की उच्च प्रदर्शन वाली यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां हासिल होने वाला अनुभव आइची-नागोया 2026 एशियाई खेलों और अंततः लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारी में बेहद उपयोगी होगा।

पीटी उषा ने कहा, एशियाई खेल हमारी हॉकी टीमों के लिए बड़े बहु-खेल आयोजन में खुद को परखने और ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण अवसर होंगे। हमें दोनों टीमों पर पूरा भरोसा है और मुझे विश्व ास है कि हमारे खिलाड़ी गर्व, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो हमेशा से भारतीय हॉकी की पहचान रही है।

डूरंड कप के सेमीफाइनल में पहुंची एससी दिल्ली, 19 अगस्त को ईस्ट बंगाल एफसी से होगी भिड़ंत

नई दिल्ली, 17 अगस्त। एससी दिल्ली ने दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को मणिपुर की एफसी रेंगदाई को 5-1 से करारी शिकस्त देकर डूरंड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना कोलकाता की दिग्गज टीम ईस्ट बंगाल एफसी से होगा। ईस्ट बंगाल ने कोलकाता में खेले गए एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ने पीवी विष्णु के पहले हाफ में किए गए शानदार हेडर की बदौलत रोमांचक मुकाबले में भारतीय सेना एफटी को 1-0 से मात दी। दिन के पहले मुकाबले में टूर्नामेंट में पदार्ण कर रही एफसी रेंगदाई को पहले हाफ में चोंगथम किशन सिंह ने नौवें मिनट में लंबी दूरी से शानदार गोल दागकर को बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी जोसेफ सनी (57वें और 67वें मिनट) ने यहां के बिरसा मुंडा स्टेडियम में 10 मिनट के अंदर दो गोल कर मैच का रुख पूरी तरह पलट दिया। एससी दिल्ली की ओर से इसके बाद रोड्रिगुइन्हो ने 82वें मिनट, जुआन सेबेस्टियन पेना (90 तीसरे मिनट) और ऑगस्टिन लालरोचना (90 आठवें मिनट) ने आखिरी पलों में गोल कर टीम के जीत के अंतर को बड़ा किया। ईस्ट बंगाल एफसी और सी दिल्ली के बीच सेमीफाइनल मुकाबला 19 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (साल्ट लेक स्टेडियम) में खेला जाएगा। भारतीय सेना के लिए लगातार गेंद पर कब्जा बनाए रखना मुश्किल साबित हुआ। दबाव से निकलने के लिए टीम को अक्सर गेंद को हवा में मारने और लंबे पासों का सहारा लेना पड़ा। ईस्ट बंगाल को 38वें मिनट में सफलता मिली।

टिम साइफर्ट की आतिशी पारी से मैनचेस्टर सुपर जायंट्स चैंपियन

नई दिल्ली, 17 अगस्त। लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आखिरकार मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की किस्मत बदल गई। फाइनल में लगातार दो बार हारने के बाद टीम ने तीसरे मौके को हाथ से नहीं जाने दिया और ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हराकर पहली बार हंड्रेड का खिताब अपने नाम कर लिया। टीम की इस जीत के सबसे बड़े नायक न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम साइफर्ट रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेलकर लक्ष्य की राह आसान कर दी। बता दें कि मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को पहले मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के नाम से जाना जाता था। टीम इससे पहले 2022 के फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स और 2023 के फाइनल में ओवल इनविंसिबल्स से हार गई थी। ऐसे में लॉर्ड्स में मिली यह जीत उसके लिए खास रही।

भारत की धाविका अंकिता ध्यानी ने दूसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारत की मध्यम एवं लंबी दूरी की धाविका अंकिता ध्यानी ने अमेरिका में आयोजित 'स्टम्पटाउन ट्वाइलाइट' प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चौबीस वर्षीय अंकिता ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स 'कॉन्टिनेंटल टूर' चैलेंजर स्तर (कैटेगरी-डी) की इस प्रतियोगिता में चार मिनट 06.75 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने अपने पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में पांच सेकंड से अधिक का सुधार किया। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ समय चार मिनट 12.28 सेकंड था। अंकिता का यह प्रदर्शन इस सत्र में 1500 मीटर में किसी भारतीय का सबसे तेज समय है। यह एशिया में इस सत्र का तीसरा सबसे तेज समय है। भारतीय धाविकाओं में यह अब तक का चौथा सबसे तेज प्रदर्शन भी है। इस स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड केएम दीक्षा के नाम है, जिन्होंने चार मिनट 04.78 सेकंड का समय दर्ज किया है। इक्वाडोर की कारमेन एल्डर कैसालिटिन ने चार मिनट 06.40 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका की एलेनोर फुल्टन 4:09.36 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

सेंट एनसलम एवं संस्कार स्कूल जीती

जयपुर, 17 अगस्त। जयपुर के स्थानीय सोनी क्रिकेट स्टेडियम पर चल रहे फादर रेमंड कोएल्हो डायमंड जुबली कप में दिन का पहला मुकाबला सेंट एनसलम स्कूल चोमू व सैंट एंसेल्म सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर के मध्य खेला गया। जिसमें सैंट एंसेल्म स्कूल चोमू ने पहले

बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 95 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें प्रदीप मीणा ने 11 रन व वंश कुमावत ने 9 रनों का योगदान दिया। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर की ओर से गेंदबाजी में तनिष अरोड़ा ने चार विकेट और समृद्ध पांडे व अहान मिश्रा ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट एंसेलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर 8.5 ओवर में 99/4 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें तनिष अरोड़ा ने 40 रन व प्रियांशु सिंह ने 33 रनों की पारी खेली। सेंट एनसलम स्कूल चोमू की ओर से गेंदबाजी में तुषार चौधरी ने दो विकेट लिए। सेंट एनसलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल मानसरोवर ने 6 विकेट से मुकाबला जीता। दिन का दूसरा मुकाबला ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल व संस्कार स्कूल के मध्य खेला गया। जिसमें ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 109 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें ओजस सैनी ने 54 रन व अथर्व शर्मा ने 14 रनों का योगदान दिया। संस्कार स्कूल की ओर से गेंदबाजी में गौरांश पारीक ने तीन विकेट और युग जाजड़िया ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संस्कार स्कूल 6 ओवर में 110/1 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। जिसमें शिफान खान ने नाबाद 70 रन व देवांग सिंगोदिया ने 27 रनों की पारी खेली। ब्राइट फ्यूचर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की ओर से गेंदबाजी में भव्य शर्मा ने एक विकेट लिया। संस्कार स्कूल ने 9 विकेट से मुकाबला जीता।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों को देता हूं बराबर महत्व : हर्ष त्यागी

नई दिल्ली, 17 अगस्त। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में रविवार रात पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ हाई स्कोरिंग मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने 21 रन से जीत दर्ज की। टीम की जीत में हरफनमौला हर्ष त्यागी ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दिया।

अपने प्रदर्शन पर बात करते हुए त्यागी ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी के लिए गया तो छह ओवर बचे थे और लक्ष्य 200 रन तक पहुंचना था। मैंने करीब 30 महत्वपूर्ण रन बनाए। गेंदबाजी में मेरे पहले दो ओवर मुश्किल रहे, लेकिन आखिरी दो ओवर में मैंने रनों पर नियंत्रण रखने पर ध्यान दिया।

महत्वपूर्ण ओवरों में अपनी गेंदबाजी की रणनीति के बारे में उन्होंने कहा, मुझे पता था कि इन स्लॉग ओवरों में कुछ रन खर्च हो सकते हैं, लेकिन मुझे अपनी तैयारी पर भरोसा था। मैंने पूरे साल दिल्ली में यॉर्कर और धीमी गेंदों पर काफी काम किया है, ताकि बल्लेबाजों को अनुमान लगाने में परेशानी हो। सबसे महत्वपूर्ण चीज गेंद का सही तरीके से इस्तेमाल करना था।

राजस्थान राज्य जूनियर बालक एथलेटिक्स चैंपियनशिप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का उद्घाटन

जयपुर, 17 अगस्त। राजस्थान एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में पटेल स्टेडियम, अजमेर द्वारा आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालक एथलेटिक्स चैंपियनशिप राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आज पटेल स्टेडियम , अजमेर में उद्घाटन हुआ । उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह गुर्जर, महासचिव राजस्थान ओलंपिक संघ थे । समारोह की अध्यक्षता शारदा देवी जादम, अध्यक्ष राजस्थान एथलेटिक संघ द्वारा की गई । दुर्गा शंकर शर्मा अध्यक्ष फाइनेंस कमेटी, हरिराम चौधरी, पूर्व चेयरमैन राजस्थान तीरंदाजी संघ, कार्तिक शर्मा कोषाध्यक्ष राज. एथलेटिक्स संघ, शंकरलाल बुनकर चीफ कोच, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित थे। आयोजन सचिव गिरिराज सांखला एवं जिला संघ के पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया ।

प्रतियोगिता में प्रथम दिवस के परिणाम निम्न अनुसार हैं -

अंडर 20 5000 मीटर रेस वॉक प्रवीण जोधपुर प्रथम, हनुमान बीकानेर द्वितीय, रोहित

कुमार चित्तौड़गढ़ तृतीय, अंडर 18 पवन गुर्जर करौली प्रथम, सुभाष कुमार चूरू द्वितीय, अभिषेक सुखवाल उदयपुर तृतीय। अंडर 20 5000 मीटर दौड़ रोहित चौधरी श्रीगंगानगर प्रथम, अनमोल गिलहोत्रा झालावाड़ द्वितीय, देशराज प्रजापत तृतीय। अंडर 16 80 मीटर हर्डल घनश्याम जाट भीलवाड़ा प्रथम, सुमित चौधरी अलवर द्वितीय, अमन कुमार झुंझुनू तृतीय, अंडर 20 110 मीटर हर्डल नकुल श्रीगंगानगर प्रथम, भवानी सिंह जैसलमेर द्वितीय, सुभाष सैनी जैसलमेर तृतीय। अंडर 18 110 मीटर हर्डल कार्तिक प्रजापति सीकर प्रथम, हेमंत सिंह भीलवाड़ा द्वितीय, राजवीर बिश्नोई जोधपुर तृतीय। अंडर 20 गोला फेंक कुंदन गुर्जर कोटा प्रथम, निर्मल शर्मा जयपुर द्वितीय, अभिनव शेखावत अजमेर तृतीय। अंडर 18 गोला फेंक में युवराज सिंह जयपुर प्रथम, मनोज पिपलोदा जयपुर द्वितीय, अनुराग ज्यानी श्रीगंगानगर तृतीय। अंडर 20 1500 मीटर रोहित चौधरी श्रीगंगानगर प्रथम, हैप्पी झुंझुनू द्वितीय, आयुष चौधरी जयपुर तृतीय।

मुख्यमंत्री भजनलाल के महत्वपूर्ण जल समझौतों से विकास की गंगा बहेगी- शिवराज सिंह चौहान

केन्द्रीय कृषि मंत्री तथा मुख्यमंत्री ने बारां व झालावाड़ में 1258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

बारां/जयपुर, 17 अगस्त। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हुए पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना समझौते से 4 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। इसी प्रकार, यमुना जल से जुड़ा महत्वपूर्ण समझौता भी हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे प्रदेश में निरंतर विकास की गंगा बहेगी। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री सोमवार को बारां की कृषि उपज मंडी में बारां-झालावाड़ के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि बारां, झालावाड़, कोटा के कृषि क्षेत्र में विकास का रोडमैप बनाया जाएगा। इससे किसान नई फसलों की पैदावार कर सकेंगे और उनकी आमदनी बढ़ेगी।

कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत राजस्थान के लिए 3 हजार 473 करोड़ रुपये की लागत से 2 लाख 89 हजार 355 नवीन आवास निर्माण तथा कृषि विभाग की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं कृषि उन्नत योजना के लिए 340 करोड़ 59 लाख रुपये की स्वीकृति के पत्र सौंपे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने किसानों की आय को सुरक्षित करने, कृषि लागत कम करने और उन्हें आसान ऋण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को बारां की कृषि उपज मंडी में बारां-झालावाड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, पीएम-कुसुम तथा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने किसानों की आय को सुरक्षित करने व कृषि लागत कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि बारां एवं झालावाड़ जिलों में 1 हजार 258 करोड़ के 98 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। पिछले ढाई साल में बारां के समग्र विकास के लिए 3 हजार 316 करोड़ एवं झालावाड़ के लिए 6 हजार 474 करोड़ सहित कुल 10 हजार करोड़ से अधिक का बजट आवंटित किया गया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभा स्थल पर बारां जिला प्रशासन की विकास कार्यों एवं विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद दुष्यंत सिंह, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, ललित मीणा, राधेश्याम बैरवा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने छात्रों की मांग मानी, परीक्षा रद्द की

- **मुख्यमंत्री सोरेन की घोषणा पर आंदोलनरत छात्रों ने खुशी जताई, पर सीबीआई जांच की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की**
- **मुख्यमंत्री सोरेन ने लखनऊ की डेटा प्रोसैसिंग और परीक्षा करवाने वाली संस्था टीएसआर डेटा प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित सभी परीक्षाओं व भर्तियों को रद्द करने की घोषणा की।**

रांची, 17 अगस्त। जेपीएससी - जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं को लेकर 24 दिनों से जारी छात्र आंदोलन में सोमवार देर रात बड़ा मोड़ आया। लंबे समय तक चली बैठक के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख मांगें मानने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आंदोलनरत छात्रों की मांगों पर करीब तीन घंटे तक गहन चर्चा हुई। बैठक के बाद, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित सभी परीक्षाओं को रद्द किया जाएगा। साथ ही, टीडीपीएल के माध्यम से हुई भर्तियों को भी रद्द करने की बात कही गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2014 से अब तक टीडीपीएल के माध्यम से आयोजित सभी परीक्षाएं रद्द होंगी।

मुख्यमंत्री के इस ऐलान के बाद आंदोलनरत छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। छात्रों ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी मांगों को लेकर सरकार ने गंभीरता दिखाई है। छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को फैसले के लिए बधाई दी और इसे छात्रों के आंदोलन की बड़ी सफलता बताया।

हालांकि, आंदोलन कर रहे कुछ छात्रों का कहना है कि सरकार की ओर से महत्वपूर्ण मांगें मान ली गई हैं, लेकिन उनका आंदोलन अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। छात्रों ने कहा कि परीक्षाएं और भर्तियां रद्द करने की घोषणा स्वागत योग्य है, लेकिन कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच भी जरूरी है।

छात्रों की प्रमुख मांग अब पूरे मामले की सीबीआई जांच को लेकर है। उनका कहना है कि जब तक सरकार सीबीआई जांच कराने पर स्पष्ट निर्णय नहीं लेती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्रों का कहना है कि केवल परीक्षाएं रद्द करने से पूरे मामले की सच्चाई सामने नहीं आएगी। दोषियों की पहचान और उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है।

दूसरी तरफ, परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों ने मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना है, "हम लोगों का क्या दोष है, जो हमारी परीक्षा रद्द कर दी गई?"

जेपीएससी विवाद के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखे पत्र से भी मामला राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो गया था। राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से लेने और उनके समाधान की दिशा में पहल करने की बात कही थी।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई टीम घोषित की

राममाधव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, स्मृति ईरानी राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त, पीयूष गोयल कोषाध्यक्ष बने

- **नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष तवज्जो दी गई है तथा संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा व क्षेत्रीय संतुलन पर ध्यान दिया गया है।**

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम में संगठनात्मक अनुभव, युवा ऊर्जा, क्षेत्रीय विविधता और सामाजिक समावेश का व्यापक संतुलन देखने को मिला है। सोमवार को जारी नई राष्ट्रीय पदाधिकारियों की सूची में देश के 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। करीब 65 सदस्यों की नई टीम में महिलाओं और पूर्वोत्तर क्षेत्र को विशेष ध्यान दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन निबीन ने सोमवार को अपनी नई टीम की घोषणा कर दी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, वरिष्ठ नेता राम माधव समेत, 13 लोगों को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हरीश द्विवेदी समेत, आठ नेताओं को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

भाजपा की विज्ञिप्त के मुताबिक, वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, भारती प्रवीण पवार, मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, एम. नागराज, तारिक मंसूर और मधुचंद्र कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। बीएल संतोष राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) होंगे। शिव प्रकाश और सौदान सिंह को फिर राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गयी है। विनोद तावड़े, सुनील बंसल, विप्लब देव, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेन्द्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। पीयूष गोयल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। पार्टी ने कुल 7 राज्यों से 8 महामंत्री बनाए हैं और सबसे ज्यादा दो नेता उत्तर प्रदेश से आते हैं। चार महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है।

राष्ट्रीय मंत्री का दायित्व कविता पाटीदार, के सुरेन्द्रन, भोला सिंह, प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वर भाई पटेल, संदीप पाठक, फांग्नोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, एम वेंकटेशन , मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभू, स्वदेश सिंह, मृगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता, जय प्रकाश को सौंपा गया है। वहीं, तरुण चुग को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी और महेन्द्र पांडे को राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री बनाया गया है। डॉ. संबित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक बनाया गया है। प्रकोष्ठ संकुल संयोजक विष्णु दत्त शर्मा को बनाया गया है। इस प्रकोष्ठ के सह संयोजक ऋतुराज और विष्णु वर्धन रेड्डी को बनाया गया है।

हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मौर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को अनुसूचित जाति मोर्चा, मन्नालाल रावत को अनुसूचित जनजाति और कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा की कमान सौंपी गई है। अनिल बलूनी को फिर मीडिया संयोजक बनाया गया है। आशीष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी, सिद्धार्थ यादव को सह संयोजक बनाया गया है। दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है। प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट, अरुण यादव को सह संयोजक बनाया गया है।

नितिन नबीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंगल को राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में राजस्थान के नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारियों के बाद प्रदेश की राजनीति में भी इसके राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। एक तरफ वसुंधरा राजे को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर बनाए रखा गया है, तो दूसरी ओर सतीश पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री बनाकर संगठन में उनका कद बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में भाजपा की सरकार है। ऐसे में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय संगठन में मौजूदगी आने वाले समय में केन्द्र और प्रदेश संगठन के बीच समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। नई नियुक्तियों से एक बात साफ है कि भाजपा ने राजस्थान के अनुभवी, संगठनात्मक और सामाजिक आधार वाले नेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी देकर प्रदेश को संगठन की नई रणनीति में महत्वपूर्ण स्थान दिया है। अब इन नियुक्तियों का असर राजस्थान भाजपा के भीतर आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक समीकरणों पर कितना पड़ता है, इस पर सबकी नजर रहेगी।

आईएसआई के शहज़ाद भट्टी नेटवर्क के 255 संदिग्ध गिरफ्तार

- **सुरक्षा एजेंसियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले कार्यवाही कर आतंकवादियों के मंसूबे नाकाम किये**
- **केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पोस्ट में यह जानकारी दी।**

नई दिल्ली, 17 अगस्त। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज़ इंटेलिजेंस (आईएसआई) समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क (एसबीएन) के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 राज्यों में 253 संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है। इस नेटवर्क के खिलाफ 80 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

स्वतंत्रता दिवस के आसपास एसबीएन से जुड़ी संभावित गड़बड़ियों को रोकने के लिए 12 अगस्त को राज्य पुलिस बलों के साथ रियल-टाइम खुफिया जानकारी साझा करने वाली प्रणाली के जरिए समन्वित बहु-राज्यीय अभियान चलाया गया। इसमें 14 राज्यों में 253 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी समूह 'शहज़ाद भट्टी नेटवर्क' को खत्म कर दिया और 200 से ज़्यादा सदस्यों को गिरफ़्तार कर उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। शाह ने कहा कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस समूह के पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

शहजाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूनावाला ने भाजपा और उसके शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और बीएल संतोष से उन्हें लगातार मार्गदर्शन और सहयोग मिला।

उन्होंने कहा कि भाजपा और व्यापक संघ परिवार ने उन्हें जो अवसर और मंच प्रदान किया, उसके लिए वे सदैव कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि एक युवा, पसमांदा मुस्लिम और गैर-वंशवादी व्यक्ति को भाजपा ने अवसर प्रदान किया। पूनावाला ने कहा कि वे उस पार्टी और राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद को अलविदा कह रहे हैं, जिसे वे बेहद पसंद करते हैं।

क्या देवेन्द्र फड़नवीस दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पीछे कई संभावित कारण बताए जा रहे हैं। इनमें तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में उनका मजबूत प्रदर्शन, नागपुर से उनका संबंध और आरएसएस से उनके करीबी रिश्ते प्रमुख हैं। इसके अलावा, विपक्षी नेताओं की ओर भी से बार-बार यह दावा किया जाता रहा है कि उन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, तथा शिक्षा जैसे किसी महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की समय -समय पर होने वाली चर्चाओं और केन्द्र में अनुभवी प्रशासकों की भाजपा की जरूरत ने भी इन अटकलों को लगातार हवा दी है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी के साथ फडणवीस की मुलाकात ने उनके राष्ट्रीय स्तर पर संभावित भविष्य को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं को फिर से जीवित कर दिया है।

पिछले कुछ वर्षों में भाजपा और आरएसएस के हलकों में उन्हें कभी-कभार भविष्य के संभावित प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में भी देखा गया है। इसके पीछे उनका प्रशासनिक अनुभव, अपेक्षाकृत कम उम्र और संघ परिवार में उनकी मजबूत जड़ें बताई जाती हैं।

कुछ राजनीतिक विश्लेषणों में यह भी कहा गया है कि उन्हें मोदी के बाद दीर्घकालिक विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि, फडणवीस खुद पहले भी मोदी के उत्तराधिकारी संबंधी अटकलों को खारिज कर चुके हैं। उनका कहना रहा है कि मोदी ही पार्टी के नेता हैं और 2029 में भी वही पार्टी का नेतृत्व करेंगे।

आरएसएस के दबाव में निकट भविष्य में नेतृत्व परिवर्तन के दावे फिलहाल वास्तविकता पर आधारित होने के बजाय, विपक्ष की ओर से पैदा की गई राजनीतिक अटकलें अधिक दिखाई देते हैं।

अगर फडणवीस अंततः दिल्ली चले जाते हैं, तो महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा फेरबदल देखने को मिल सकता है। राज्य में भाजपा के सबसे प्रमुख चेहरे और महायुति गठबंधन की हालिया सफलताओं के प्रमुख रणनीतिकारों में से एक होने के कारण, उनके जाने से मुख्यमंत्री पद के लिए एकनाथ शिंदे, चंद्रशेखर बावनकुले या अन्य वरिष्ठ नेताओं के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है।

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट के साथ गठबंधन के समीकरणों पर भी नए सिरे से बातचीत की जरूरत पड़ सकती है। इससे जहाँ एक तरफ, सत्तारूढ़ गठबंधन की स्थिरता की परीक्षा हो सकती है, वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र भाजपा के भीतर गुटीय खींचतान से जुड़े पुराने विवाद भी फिर उभर सकते हैं।

कतर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्राप्तकर्ता की यूपीआई आईडी के साथ जरूरी पहचान संबंधी जानकारी देनी होगी। भारत में पैसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति को अपने यूपीआई ऐप में विदेश से धन प्राप्त करने की सुविधा सक्रिय करनी होगी। इसके बाद भेजी गई राशि सीधे उसके यूपीआई से जुड़े बैंक खाते में जमा हो जाएगी। एक लेनदेन में न्यूनतम 10 कतर रियाल और अधिकतम 4,000 कतर रियाल भेजे जा सकेंगे। हालांकि, एक लेनदेन की अधिकतम भारतीय मुद्रा में सीमा एक लाख रुपये के बराबर होगी। प्रत्येक लेनदेन पर 15 कतर रियाल का सेवा शुल्क लिया जाएगा।

विधानसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के अनुरूप संचालित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी दल विधानसभा की गरिमा बनाए रखते हुए सत्र के सफल संचालन में सहयोग करेंगे।

"दिमागी नक्सल" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारंपरिक राजनीतिक दलों से स्वतंत्र होकर खुद को संगठित किया है।

स्पष्ट रूप से, मोदी का यह संदेश वामपंथी विचारधारा वाले बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, कार्यकर्ताओं, नागरिक समाज की आवाजों और सरकार के आलोचकों को निशाना बनाता है, जिन्हें भाजपा लंबे समय से "अर्बन नक्सल" कहती रही है।

इसमें असहमति, विशेषकर शासन, शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं या हिंदुत्व की प्राथमिकताओं की आलोचना, को वैध राजनीतिक विरोध के बजाय माओवादी विद्रोह के वैचारिक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

कांग्रेस ने इस टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने इस टिप्पणी को हताशा का पक्का संकेत बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अक्सर अपने आलोचकों को बदनाम करती है और बाद में उन्हीं की मांगों को अपना लेती है। उन्होंने इसके उदाहरण के रूप में जातीय जनगणना का हवाला दिया।

विपक्ष के अन्य नेताओं, जिनमें भाकपा के डी. राजा भी शामिल हैं, ने इस शब्द को असहमति को कलंकित करने और सरकार पर सवाल उठाने वालों को डराने की कोशिश बताया है।

'अगर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता एस लक्ष्मीनारायणन ने आरोप लगाया कि एयरलाइंस जिस तरह से यात्रियों से शुल्क वसूल रही हैं, उसके लिए बनाए गए आधिकारिक नियमों का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है।

वंदे मातरम् का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यालय इंदिरा भवन में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया।

पहले दो अंतरे गाए जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोनिया गांधी से कहा कि गीत गाया जा चुका है और इतना पर्याप्त है। सोनिया गांधी ने इसके बाद राहुल गांधी से कहा कि खड़गे जी कुछ कह रहे हैं, उनकी बात सुनो।

राहुल गांधी ने उन्हें समझाया कि कांग्रेस के कुछ लोगों को पूरा वंदे मातरम् गाने पर आपत्ति है और ध्वजारोहण से पहले इस मुद्दे पर चर्चा भी हुई थी।

इसके बाद तय किया गया कि चूंकि अब इसे कानून का रूप दे दिया गया है, इसलिए पूरा गीत गाया जाएगा।

और इंदिरा भवन में ठीक यही हुआ।

इससे पहले सोनिया गांधी को इशारे करते हुए देखा गया कि वे कुछ कैमरा संचालकों से वहां से हटने और कार्यक्रम की कार्यवाही में बाधा न डालने के लिए कह रही थीं।

मामला यहीं समाप्त हो गया।

लेकिन अमित शाह ने इस मुद्दे को बड़ा राजनीतिक विवाद बना दिया है। वे सोनिया गांधी और कांग्रेस पार्टी पर वंदे मातरम् को रोकने की कोशिश करने का आरोप लगा रहे हैं और इसके लिए माफी मांगने की बात कर रहे हैं।

वे केवल माफी ही नहीं चाहते, बल्कि उन्होंने दिल्ली पुलिस से पूरे घटनाक्रम की जांच करने और यह रिपोर्ट देने को भी कहा है कि क्या कानून का उल्लंघन हुआ है। एक बेहद खूबसूरत देशभक्ति गीत को नफरत और दुश्मनी की राजनीति में घसीटकर भाजपा द्वारा हिंदू बनाम मुस्लिम विभाजन की आग को जलाए रखने और उससे अधिकतम राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश की जा रही है।

वंदे मातरम् की शुरुआत कांग्रेस के साथ हुई थी और अब भाजपा इस आग को जलाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, ताकि इससे अधिकतम राजनीतिक लाभ उठाया जा सके।

इलायची और माउथ फ्रैशनर के बहाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में, सरकार ने आरोप लगाया था कि उत्पाद का प्रचार वास्तव में विमल तंबाकू उत्पादों के लिए सरोगेट विज्ञापन है। इस कानूनी विवाद ने एक बुनियादी समस्या को उजागर किया: केवल तंबाकू और गैर-तंबाकू उत्पादों के लिए एक ही ब्रांड नाम का होना अपने आप यह साबित नहीं करता कि विज्ञापन गैर-कानूनी है। रेगुलेटर को दोनों के बीच यह संबंध साबित करना होगा और दिखाना होगा कि देखने में वैध उत्पाद का विज्ञापन असल में प्रतिबंधित उत्पाद का प्रचार कर रहा है।

सबूत जुटाने की इस चुनौती की वजह से यह प्रथा अब भी ऐसे धुंधले क्षेत्र (ग्रे एरिया) में बनी हुई है, जहाँ कानून की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

तथापि, विज्ञापन की रणनीति अब और भी बेहतर होती जा रही है। कोई तंबाकू ब्रांड किसी कानूनी ब्रांड विस्तार (ब्रांड एक्सटेंशन) के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बनाए रख सकता है, जबकि विज्ञापन में उसी नाम, लोगो, रंग, सेलिब्रिटी, स्लोगन और विजुअल पहचान का इस्तेमाल किया जाता है, जो प्रतिबंधित उत्पाद से जुड़े होते हैं। ग्राहकों को ब्रांड पहचानने के लिए तंबाकू उत्पाद देखने की भी ज़रूरत नहीं पड़ती।

इसीलिए रेगुलेटरी टेस्ट को मुख्य रूप से इरादा साबित करने पर आधारित होने के बजाय ठोस और स्पष्ट पैमानों पर आधारित होना चाहिए।

रेगुलेटर यह जांच सकते हैं कि क्या इसी ब्रांड का इस्तेमाल तंबाकू उत्पादों के लिए भी किया जाता है; क्या कथित रूप से वैध उत्पाद का अपना पर्याप्त और स्वतंत्र रूप से चलने वाला कारोबार है; क्या उसका वितरण और बिक्री वास्तव में होती है; क्या विज्ञापन संबंधी प्रतिबंध लागू होने से पहले वह वास्तव में एक असली उत्पाद के तौर पर मौजूद था; और क्या उसका विज्ञापन तंबाकू ब्रांड की खास पहचान को बहुत करीब से दोहराता है।

जहाँ इनमें से कई संकेत एक साथ दिखाई दें, वहाँ विज्ञापन देने वाले पर यह साबित करने की ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि ब्रांड विस्तार वास्तव में एक वास्तविक और स्वतंत्र कारोबार है।

सेलिब्रिटी के विज्ञापन में शामिल होने की भी विशेष रूप से जाँच होनी चाहिए। कोई एक्टर यह तर्क दे सकता है कि उसने इलायची का विज्ञापन किया, तंबाकू का नहीं। लेकिन अगर विज्ञापन का मुख्य मकसद प्रतिबंधित तंबाकू ब्रांड की पहचान को लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचाना है, तो इस अंतर को सही ठहराना लगातार मुश्किल हो जाता है।

उद्देश्य यह नहीं होना चाहिए कि वैध कारोबारों को कानूनी उत्पादों का विज्ञापन करने से रोका जाए। उद्देश्य यह होना चाहिए कि किसी कानूनी उत्पाद को गैर-कानूनी उत्पाद के विज्ञापन के लिए सुविधाजनक माध्यम बनने से रोका जाए।

इसलिए भारत को ब्रांड विस्तार के लिए एक अधिक स्पष्ट और तकनीक से स्वतंत्र नियम की ज़रूरत है, जिसमें पारदर्शी मानदंड और कड़े दंड का प्रावधान हो। विज्ञापन एजेंसियों और सेलिब्रिटीज़ से भी यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे प्रतिबंधित वस्तुओं की ब्रांड पहचान वाले उत्पादों का विज्ञापन करने से पहले पूरी जाँच-पड़ताल करें।

इस तरह, महाराष्ट्र सरकार की ओर से भेजे गए नोटिस सिर्फ़ एक और सेलिब्रिटी विवाद बनकर न रह जाएं। वे एक ऐसे सवाल को सुलझाने का मौका दे सकते हैं जो बरसों से बना हुआ है: कोई उत्पाद कानूनी हो सकता है, लेकिन क्या उसका विज्ञापन कानूनी तौर पर किसी ऐसी चीज़ के विज्ञापन के रूप में काम कर सकता है, जो खुद कानूनी नहीं है?

जब तक इस सवाल का जवाब एक स्पष्ट रेगुलेटरी टेस्ट के ज़रिए नहीं दिया जाता, तब तक सरोगेट विज्ञापन की यह कानूनी खामी प्रतिबंधित ब्रांडों को बाज़ार में अपनी पहचान बनाए रखने का मौका देती रहेगी और उन्हें अपने उत्पाद का खुलकर विज्ञापन करने की ज़रुरत भी पड़ेगी।

SBI

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई

फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

नियमित/संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

नियमित/संविदा आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/11 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - साइबर इनोवेशन और सिमुलेशन लैब	1	35	45
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - सिटिज़न सेंट्रिक इनिशिएटिव्स	1		
उप उपाध्यक्ष (डीवीपी) - सायबर सुरक्षा	2		

(नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
उप प्रबंधक - एआई विशेषज्ञ	25	एमएमजीएस -II	25	35
उप प्रबंधक - साइबर सुरक्षा विश्लेषक	3			
उप प्रबंधक - आईटी सुरक्षा विशेषज्ञ	2			

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/12 (नियमित पद)

पद का नाम	रिक्ति	श्रेणी	आयु (31.07.2026 तक) न्यूनतम	आयु (31.07.2026 तक) अधिकतम
प्रबंधक (मैनपावर प्लानिंग और रिक्रूटमेंट)	1	एमएमजीएस -III	28	40
प्रबंधक (लर्निंग और डेवलपमेंट)	1	एमएमजीएस -III	28	40

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/13 (संविदा पद)

पद का नाम	रिक्ति	न्यूनतम	अधिकतम
उप-अध्यक्ष (एंटरप्राइज़ और टेक्नोलॉजी आर्किटेक्ट)	1	40	48
उप-मुख्य टेक्नोलॉजी अधिकारी (एंटरप्राइज़ आर्किटेक्चर)	1	42	50

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US"→"Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://sbi.bank.in/web/careers/ post-your-query) पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 07.08.2026 से 27.08.2026 तक.**

स्थान: मुंबई

दिनांक: 07.08.2026 **महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908